संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 298
पृष्ठ 8
शनिवार
18 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या आप भी देते हैं बच्चों को...

विचार- उच्च शिक्षा में नए आयाम स्थापित...

खेल- वाकई गंभीर और कोहली के बीच...

हाइड्रोजन ट्रेन रवाना कर बोले मोदी

इतिहास के पृष्ठों में दर्ज होगा जींद का नाम

जींद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ करते हुए शुक्रवार को कहा कि जिस तरह देश की पहली ट्रेन के साथ मुंबई का नाम जुड़ा है, वैसे ही इस आधुनिक रेलगाड़ी के साथ जींद का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा।

श्री मोदी ने यहां जींद जंक्शन पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद कई विकास परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया।

उन्होंने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा, "जींद कोई साधारण ध रती नहीं है। यह वीरता और गौरव की धरती है। मेरे लिए जींद आना पुरानी यादों का झरोखा खोलने के जैसा है। कई दशक पहले मैं संगठन के काम से जींद आया था। आप लोगों ने मुझे जो अपनत्व दिया, प्रेम दिया, वह मैं भूला नहीं हूं।

मुर्रा भैंस का दूध–दही और घेवर वे यादें हैं जो भूली नहीं जातीं।"

उन्होंने कहा, " इतने सालों में जींद का घेवर तो नहीं बदला, लेकिन तेवर जरूर बदल गये हैं। आज जींद भाजपा के सुशासन का मॉडल बन रहा है। बीते वर्षों में पूरा हरियाणा विकास के रास्ते पर चल पड़ा है।"

श्री मोदी ने कहा, " आज यहां से देश को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिली है। जींद का नाम इतिहास के पृष्ठों में दर्ज हो गया है। हम पढ़ते हैं कि भारत में पहली ट्रेन बॉम्बे से ठाणे के बीच चली थी। वैसे ही भविष्य में हाइड्रोजन ट्रेन का जिक्र आएगा, तो जींद, सोनीपत, हरियाणा का नाम भी आयेगा ही आयेगा।" उल्लेखनीय है कि यह ट्रेन जींद से सोनीपत तक 89 किलोमीटर का सफर तय करेगी। इस दौरान यह ट्रेन जींद सिटी, पांडु पिंडारा जंक्शन, ललित खेड़ा, भांबेव, ईसापुर खेड़ी, बुटाना, खंडराई, गोहाना जंक्शन, राबरह, लठ, मोहाना हरियाणा और बड़वासनी से होकर गुजरेगी।

श्री मोदी ने भारतीय रेल की आधुनिकता से जुड़े इस बड़े कदम के लिए जींदवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर 14000 करोड़ रुपये से अधिक की अन्य परियोजनाएं भी हरियाणा को मिली हैं। इसमें दो मेडिकल कॉलेज भी शामिल हैं। उन्होंने हरियाणा के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान में लोग जिस नयी ऊर्जा से जुटे हैं, वह दिल खुश करने वाला है।

सैफई सिंडिकेट ने युवाओं को सरकारी नौकरी से वंचित किया

शामली में गरजे सीएम योगी

शामली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दावा किया कि 2017 से पहले योग्य युवाओं को सरकारी नौकरियों से कथित तौर पर वंचित करने वाले श्श्नौकरी सिंडिकेटश्श को खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब भर्ती पारदर्शी तरीके से की जा रही है।

योगी आदित्यनाथ ने शामली जिले में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी की सरकार पर तीखा हमला किया।

उन्होंने कहा, श्श्उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों का विज्ञापन निकलने पर अब

श्सैफई का सिंडिकेटश्श युवाओं के रोजगार के अधिकार को छीन नहीं सकता जैसा पहले करता था। आज, हर परिवार और समाज के हर वर्ग को सरकारी नौकरियों को सुरक्षित करने का अवसर मिलता है।श्श सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का पैतृक स्थान सैफई है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 2017 में राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने से पहले लोगों को अपनी धार्मिक आस्था व्यक्त करने पर कार्रवाई का सामना करना पड़ता था।

उन्होंने कहा, 2017 से पहले, जय श्री राम का नारा लगाने पर लोगों पर लाठीचार्ज किया गया था और गोलीबारी भी की गई थी।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने 45 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का किया उद्घाटन, शहर में कुल केंद्रों की संख्या हुई 415

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को शकूरपुर से 45 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन किया। इस की के साथ अब इन केंद्रों की कुल संख्या शहर में 415 हो गई है। इस मौके पर सीएम ने कहा कि, ष्हमारा संकल्प है कि दिल्ली के हर निवासी को उनके घर और कॉलोनी के पास ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिलें।ष उन्होंने बताया कि अब इन स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या बढ़कर 415 हो गई है। उन्होंने कहा कि 1,100 आयुष्मान जन आरोग्य मंदिर स्थापित करने का लक्ष्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि ये स्वास्थ्य केंद्र आउटडोर पेशेंट डिपार्टमेंट (व्व्व) सेवाएँ, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएँ, टीकाकरण और जरूरी दवाएँ उपलब्ध कराते हैं, साथ ही यहाँ 80 तरह की मुफ्त जाँच की सुविधा भी मौजूद है।

महिला आरक्षण का समर्थन, परिसीमन विधेयक का पार्टी करेगी विरोध : कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा में उप नेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी ने कहा है कि यदि केंद्र सरकार'महिला आरक्षण विधेयकश्के नाम पर परिसीमन विधेयक लाने का प्रयास करती है तो कांग्रेस उसका पुरजोर विरोध करेगी। तिवारी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण के समर्थन में पहले भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी लेकिन महिला आरक्षण के नाम पर किसी अन्य एजेंडे को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को परिसीमन विधेयक पर अलग–अलग राजनीतिक दलों से अलग–अलग बातचीत करने के बजाय सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बैठक में परिसीमन से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कांग्रेस की ओर से पहले भी इस संबंध में पत्र भेजा गया था और अब कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास पहले भी लोकसभा और राज्यसभा में बहुमत नहीं था, न आज है और न भविष्य में रहेगा।

उच्चतम न्यायालय के फैसले से बदला कर्नाटक विधान परिषद का समीकरण, कांग्रेस की गायत्री निर्वाचित घोषित

बेंगलुरु (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय के एक बड़े फैसले से कर्नाटक विधान परिषद का राजनीतिक समीकरण बदल गया है तथा 75 सदस्यीय सदन में सत्तारूढ़ कांग्रेस की स्थिति काफी मजबूत होने के साथ ही उच्च सदन में कांग्रेस के सदस्यों की कुल संख्या बढ़कर अब 40 हो गयी है। न्यायालय ने चिक्कमगलुरु स्थानीय प्राधिकरण चुनाव क्षेत्र से मतों की दोबारा गिनती के बाद कांग्रेस उम्मीदवार एवी गायत्री शांतगौड़ा को निर्वाचित घोषित कर दिया है। इसके साथ ही कर्नाटक विधान परिषद के उपसभापति और वरिष्ठ भाजपा नेता एमके प्राणेश को बड़ा कानूनी और राजनीतिक झटका लगा है, क्योंकि अदालत ने उनका निर्वाचन रद्द कर दिया है। इस ऐतिहासिक फैसले से जहां वरिष्ठ भाजपा नेता को विधान परिषद से बाहर होना पड़ा है, वहीं कांग्रेस ने उच्च सदन में अपना संख्याबल काफी मजबूत कर लिया है।

20वें दिन भी नहीं झुके सोनम वांगचुक, बोले

मैं किसी भी कीमत पर 20 जुलाई तक जिंदा रहूंगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने शुक्रवार को कहा कि वह षकिसी भी कीमत पर 20 जुलाई तक जीवित रहेंगेष। उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का आज 20वां दिन है और डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय से चल रहा उनका उपवास अब गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर जंतर–मंतर पर श्कॉकरोच जनता पार्टीश (कॉजपा) का विरोध प्रदर्शन 28वें दिन में प्रवेश कर गया है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आज वांगचुक और अन्य प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की। प्रदर्शन स्थल पर समर्थकों को संबोधित करते हुए वांगचुक ने अपनी बिगड़ती शारीरिक स्थिति को स्वीकार किया, लेकिन कहा कि उनका संकल्प अडिग है। उन्होंने कहा, ष्मैं बाहर से कमजोर हूं, लेकिन अंदर से बहुत मजबूत हूं। मुझे यकीन है कि आप सभी अंदर और बाहर, दोनों तरह से मजबूत हैं।

हमें 20 जुलाई के लिए इस ऊर्जा की जरूरत है, जब हम संसद तक शांतिपूर्ण मार्च निकालेंगे। हम सब मिलकर लोकतंत्र के मंदिर में अपनी बात रखेंगे।ष उन्होंने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा, ष्मैं किसी भी हाल में 20 जुलाई तक जिंदा रहूंगा। अगर आप नहीं आए और 20 जुलाई का प्रदर्शन सफल नहीं हुआ, तो मैं भूत बनकर वापस आऊंगा।

उनकी इस बात पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। पिछले 24 घंटों में वांगचुक का वजन 350 ग्राम और कम हो गया, जिससे उनका कुल वजन लगभग 9.5 किलोग्राम कम हो गया है। उनकी देखभाल कर रहे चिकित्सकों के दल की ओर से जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, वांगचुक का वजन अब 56.55 किलोग्राम है। उनका रक्तचाप 108ध68 एमएमएचजी, रक्त शर्करा 80 एमजीध्डीएल, पल्स रेट 72 प्रति मिनट और ऑक्सीजन संतृप्तता 96 प्रतिशत दर्ज की गयी।

डॉक्टरों ने बृहस्पतिवार को चेतावनी दी थी कि लंबे समय तक उपवास के कारण उनकी हालत गंभीर हो गई है और अगर भूख हड़ताल जारी रही, तो अगला चरण चिंताजनक हो सकता है और अंगों को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

वांगचुक ने हालांकि, उपवास खत्म करने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया मिले बिना इसे खत्म करने से गलत संदेश जाएगा।

कांग्रेस का भी वांगचुग को समर्थन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आमरण अनशन को विपक्षी दलों के समर्थन के बीच कांग्रेस की ओर से संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शुक्रवार को यहां उनसे मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनकी मांगों के प्रति समर्थन जताया। श्री खेड़ा ने आज सुबह जंतर मंतर पहुंचकर श्री वांगचुक से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और

उनसे विचार विमर्श किया। श्री वांगचुक पिछले 20 दिनों से विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक होने और परीक्षाओं में गडबड़ियों को लेकर शिक्षा मंत्री धमेन्द्र प्रधान के इस्तीफे और पूरी शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए अनशन पर बैठे हैं। मुलाकात के बाद श्री खेड़ा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस श्री वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, "हम सभी सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। हम एक ऐसी बेहद असंवेदनशील सरकार का सामना कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक विरोध की भाषा नहीं समझती।

अलंकरण समारोह

शहर समता विचार मंच, प्रयागराज

(शहर समता समूह द्वारा संचालित)

महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2026

अध्यक्षता - प्रो रवि कुमार मिश्र
मुख्य अतिथि - श्री रंजन पाण्डेय
विशिष्ट अतिथि - श्री संजय सक्सेना

स्थान - शहर समता कार्यालय कर्नलगंज थाने के पीछे
25 जुलाई दिन शनिवार शाम 4बजे

साहित्यिक संयोजक
रचना सक्सेना

कार्यक्रम संयोजक
डॉ प्रदीप चित्रांशी
अरविन्द पाण्डेय

संस्थापक /सचिव
उमेश श्रीवास्तव

घट सकते हैं 200 बूथ, 18 जुलाई तक निर्वाचन आयोग को भेजी जाएगी रिपोर्ट

प्रयागराज। जिले में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गईं हैं। बूथों के संभाजन की प्रक्रिया के तहत बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट के संगम सभागार में जिला प्रशासन ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आपत्तियों के निस्तारण

पर मंथन किया। जिले में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गईं हैं। बूथों के संभाजन की प्रक्रिया के तहत बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट के संगम सभागार में जिला प्रशासन ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आपत्तियों के निस्तारण पर मंथन किया। जिले के 12 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 5151 बूथ हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं की संख्या घटी है। बूथों का निर्धारण मतदाता संख्या के हिसाब से होना है। तकरीबन 200 बूथ कम हो सकते हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से 18 जुलाई तक निर्वाचन आयोग को इस बारे में रिपोर्ट भेजी जानी है। बैठक के दौरान राजनीतिक दलों की ओर से आईं आपत्तियों के निस्तारण पर भी चर्चा की गई। कुछ बूथों को बदलने के लिए आपत्तियां आईं थीं। वहीं, कुछ आपत्तियां ऐसी भी थीं, जिनमें एक ही परिवार के सदस्यों के नाम अलग–अलग बूथों पर दर्ज कर लिए गए हैं। वहीं, कुछ बूथों की दूरी अधिक होने पर भी आपत्तियां दर्ज कराई गईं हैं। इसके अलावा राजनीतिक दलों की ओर से मांग की गई कि कोरांव विधानसभा क्षेत्र के नेवादा स्थित पुरानी बस्ती की गली के अंदर 200 मीटर की दूरी पर प्राथमिक विद्यालय में मतदान केंद्र बनाया गया है। गली में अफसरों की गाड़ियां नहीं जा पाती हैं। मांग की गई कि प्राथमिक विद्यालय से मतदान केंद्र हटाकर नए पंचायत भवन में शिफ्ट किया जाए। बैठक में फाफामऊ के विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, फूलपुर के विधायक दीपक कुमार पटेल, करछना के विधायक पियूष रंजन निषाद समेत राष्ट्रीय और राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि आदि रहे।

प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री पर आपत्तिजनक पोस्ट के आरोपी को हाईकोर्ट से मिली जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और भारतीय सेना के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट और पाकिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे वाली सामग्री सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी को सशर्त जमानत दे दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और भारतीय सेना के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट और पाकिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे वाली सामग्री सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी को सशर्त जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी भविष्य में सोशल मीडिया पर ऐसी कोई भी सामग्री पोस्ट या साझा नहीं करेगा, जिससे अलगाववादी भावनाओं को बढ़ावा मिले, किसी समुदाय में वैमनस्य फैले या राष्ट्रीय हित प्रभावित हों। शर्तों के उल्लंघन पर उसकी जमानत निरस्त की जा सकेगी। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने अशरफ खान उर्फ निसरत की जमानत अर्जी पर दिया।

मामला हाथरस जिले के सासनी कोतवाली क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार आरोपी ने भारत की हार से संबंधित आपत्तिजनक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल की थी। जिसमें भारतीय सेना, प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां और पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा भी शामिल था।

राज्य सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए कहा गया कि ऐसी गतिविधियां राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रतिकूल हैं तथा अलगाववादी सोच को बढ़ावा देती हैं। वहीं, बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी की ओर से स्वयं उक्त संदेशों को अग्रेषित किए जाने का कोई ठोस साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। आरोपी 13 मई 2025 से जेल में निरुद्ध है। सह–आरोपी को पहले ही समान परिस्थितियों में जमानत मिल चुकी है।

बालिका गृह में होगा क्लाउड किचन व आउटलेट का निर्माण, राज्यपाल ने किया शिलान्यास

प्रयागराज। राजकीय बाल गृह बालिका, खुल्दाबाद में क्लाउड किचन व संस्था परिसर में आउटलेट का निर्माण कराया जाएगा। बृहस्पतिवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने क्लाउड किचन व आउटलेट का शिलान्यास किया। राज्यपाल ने महिला कल्याण विभाग की ओर से संचालित राजकीय बालगृह परिसर, खुल्दाबाद पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं, सुविधाओं के बारे में जानकारी ली व अंतःवासियों के साथ संवाद किया।

उन्होंने सर्वप्रथम राजकीय बालगृह (बालिका) की बालिकाओं की ओर से बनाए गए टीचिंग लर्निंग मैटेरियल का अवलोकन किया और बनाए गए आर्ट एंड क्राफ्ट मैटेरियल, टाइप ऑफ हाउसेस, एआई हेल्थ केयर मॉडल का अवलोकन किया। उन्होंने राजकीय बालिका गृह में आवासित बच्चियों से मुलाकात की और उनसे संवाद करते हुए वहां पर उन्हें दिए जा रहे ट्रेनिंग प्रोग्राम–पाक कला, योग प्रशिक्षण, बागवानी प्रशिक्षण, सिलाई–कढ़ाई एवं क्राफ्ट प्रशिक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बालिकाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यदि आगे बढ़ना है तो शिक्षा, ज्ञान व प्रशिक्षण प्राप्त करना ही होगा। पूरे मनोयोग के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें और किसी क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करें।

राज्यपाल ने कॉमन हॉल में बालगृह (बालिका) की पॉक्सो एक्ट के मामले में पीड़ित बालिकाओं से संवाद किया और उनके शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संस्था में प्राप्त हो रहे प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी प्राप्त करते हुए उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनने के लिए मार्गदर्शन दिया। राज्यपाल ने राजकीय बालगृह की महिला स्टाफ टीचर से भी संवाद किया और वहां रह रहे बच्चियों को अच्छी शिक्षा व संस्कार दिए जाने के लिए कहा।

राज्यपाल ने बालिका गृह में आवासित एनआईओएस के माध्यम से 10वीं व 12वीं कक्षा उत्तीर्ण 18 बालिकाओं को प्रोत्साहन प्रमाण पत्र वितरित किए। साथ ही राजकीय बाल गृह में बालिकाओं व बच्चों को स्नैक्स के पैकेट व चॉकलेट वितरित किए। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा नेता प्रकाश पाल बोले– राहुल गांधी देश को बताएं अपना असली धर्म और जाति

प्रयागराज। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने ममफोर्डगंज स्थित फिरोज गांधी के कब्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने ममफोर्डगंज स्थित फिरोज गांधी के कब्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इसके बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। प्रकाश पाल ने कहा कि राहुल गांधी देश को अपना असली धर्म और जाति बताएं। पूरा परिवार नकली है। राजनीति के लिए फिरोज गांधी को राहुल गांधी ने भुला दिया। अपने दादा को भूल गए हैं। गांधी परिवार ने फिरोज गांधी की कब्र पर आज तक दो फूल तक नहीं चढ़ाए। राहुल गांधी को यह बताना चाहिए कि वह किस जाति और धर्म को मानते हैं।

कहा कि इस देश में तीन तरह के हिंदू हैं, नकली, फसली और असली और हम लोग (भाजपा) असली हिंदू हैं। पुष्पांजलि अर्पित करने का क्या कारण है। इस सवाल के जवाब में भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि फिरोज गांधी एक महान स्वतंत्रता सेनानी सांसद और पत्रकार थे, इसलिए उन्हें याद किया गया और उनके ही पोते (राहुल गांधी) ने आज तक अपने दादा को याद नहीं किया। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना में राहुल गांधी स्पष्ट करें अपनी जाति अन्यथा उन्हें कोर्ट में घसीटा जाएगा। राहुल गांधी और उनका परिवार सामने आए या न आए लेकिन भाजपा कार्यकर्ता फिरोज गांधी को याद करते रहेंगे।

इससे पहले ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष ने होटल आनंद कॉन्टिनेंटल में शुक्रवार को सुबह कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर 2027 के लिए पूरी तरह से तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार ओबीसी वर्ग को बहकाने का काम कर रहा है, लेकिन ओबीसी वर्ग उनके बहकावे में आने वाला नहीं है, क्योंकि डबल इंजन की सरकार सबका साथ सबका विकास के मार्ग पर चल रही है। मोर्चा कार्यकर्ता सजग और सावधान रहे विपक्ष के दुष्प्रचार को विफल करने के लिए। ओबीसी मोर्चा के काशी क्षेत्र अध्यक्ष अश्वनी पटेल, ओबीसी मोर्चा महानगर प्रभारी मनोज कुशवाहा, मोर्चा महानगर अध्यक्ष आनंद जायसवाल, अंगद पटेल, जया पाल, राजू पटेल, अनिकेत जायसवाल, भाजपा मीडिया विभाग के विवेक मिश्रा, संजय पटेल, विजय गुप्ता, विशाल जायसवाल आदि रहे।

अहंकार में बंटा मम्मा–पापा का प्यार, जुदा हुए मासूम

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मम्मा–पापा के अहंकार में दो मासूम भाई–बहन जुदा हो गए। कोर्ट को भारी मन से माता–पिता के प्यार का बंटवारा करना पड़ा। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मम्मा–पापा के अहंकार में दो मासूम भाई–बहन जुदा हो गए।

कोर्ट को भारी मन से माता–पिता के प्यार का बंटवारा करना पड़ा। ढाई साल की मासूम सोमवार, मंगलवार और बुधवार को पापा का दुलार पाएगी जबकि छह साल के बेटे को मां का आंचल शनिवार, रविवार और स्कूल की छुट्टियों के दिनों में नसीब होगा।

यह फैसला न्यायमूर्ति संदीप जैन की अदालत ने मेरठ निवासी शिक्षिका मां की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनाया। करीब दो घंटे चली सुनवाई के दौरान अदालत में मौजूद लोगों की आंखें डबडबा गईं। माता–पिता से बातचीत के दौरान कोर्ट ने दोबारा एक होने की संभावनाएं भी तलाशीं लेकिन वे किसी भी हाल में साथ न रहने की जिद पर अड़े रहे। वहीं, बच्चों की मासूम बात और अंदाज से कोर्ट हैरान और परेशान भी हुई। अंततरू सर्वोत्तम हित के मद्देनजर कानून की कलम मासूमों की जुदाई का फैसला लिखने को मजबूर

हो गई।

बेटा बोला– मम्मा खेलने नहीं देती...पापा संग रहूंगा

कोर्ट ने बेटे से बात की तो पहले बोला पापा पसंद है। मां सामने आई तो बोला, दोनों के साथ रहना है लेकिन मम्मा खेलने नहीं देती इसलिए पापा संग रहूंगा।

सीने से लिपट बेटी ने पोंछे मां के आंसू, फूट–फूटकर रोई

तीन महीने से पिता संग रह रही मासूम बेटी कोर्ट में लाई गई। मां को देख वह उनके सीने से लिपट गई। अपने नन्हें हाथों से मां के आंसू पोंछे। फिर दोनों एक–दूसरे को चूमकर फूट फूटकर रो पड़े। मां की गोद से पापा व दादी संग जाने को तैयार नहीं हुई। दादी लेकर आगे बढ़ीं तो रोती बेटी बोली मम्मा...मम्मा। यह भावुक दृश्य देख कोर्ट ने बेटी को मां के हवाले करने का आदेश दे दिया।

पिता बोले...कमाई अधिक है, बच्चों को बेहतर भविष्य दूंगा

बिल्डर पिता ने कहा कि मां की अपेक्षा उनकी आय अधिक है। वह बच्चों को बेहतर शिक्षा, अच्छी जीवनशैली और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा सकते हैं। बच्चों की अभिरक्षा उन्हें दी जाए।

मैं मां हूं, बच्चों को अलग नहीं करें

सरकारी शिक्षिका मां ने कहा कि वह भी बच्चों का बेहतर पालन–पोषण करने में पूरी तरह सक्षम हैं। भावुक होकर कहा कि एक मां से उसके बच्चों को अलग नहीं किया जाना चाहिए। मैं मां हूं, बच्चे मुझे ही मिलें।

शैक्षणिक भविष्य के लिए बेटे को मिला पिता का साथ

कोर्ट ने पाया कि बातचीत में बेटा तनाव में था। बयान पिता का रटाया लगा। जब मां दिखीं तो पलट गया। पिता बेटे को नामी स्कूल में पढ़ा रहा है। स्कूल घर से दो किलोमीटर दूर है। मां ज्यादा दूर रहती है। ऐसे में बच्चे का शैक्षणिक भविष्य पिता के साथ ज्यादा सुरक्षित है।

हार्डकॉपी देना बंद करें, विद्यार्थियों को सिर्फ डिजिटल डिग्री दें : राज्यपाल

प्रयागराज। छात्रों को डिग्री की हार्डकॉपी देना बंद करें। डिजिलॉकर पर डिग्री उपलब्ध है। छात्र वहां से डाउनलोड करें। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने बृहस्पतिवार को प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय (पीआरएसयू) के दीक्षांत समारोह में सभी विश्वविद्यालयों को यह निर्देश जारी किए।

बतौर कुलाधिपति दीक्षांत समारोह में शामिल राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालयों को डिजिटल, जवाबदेह और रोजगारोन्मुख बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि विश्वविद्यालय डिग्री की हार्डकॉपी देना बंद करें और विद्यार्थियों को केवल डिजिटल डिग्री उपलब्ध कराएं। इससे डिग्री व मार्कशीट के प्रिंट पर होने वाला खर्च बचेगा और डिग्री का सुरक्षित व पारदर्शी रिकॉर्ड भी तैयार होगा।

उन्होंने परीक्षा मूल्यांकन व्यवस्था पर भी सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि कोई शिक्षक मूल्यांकन में गलती करता है तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। ऐसे शिक्षकों के वेतन से कटौती की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि विद्यार्थियों के भविष्य से किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो। उन्होंने कहा कि मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी छात्र के पूरे भविष्य को प्रभावित कर सकती है।

ऐसे में शिक्षक पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। उन्होंने कुलपति से कहा कि

उत्तरपुस्तिकाएं विद्यार्थियों के लिए खोल दी जाएं और जरूरत पड़े तो ईमेल के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएं। इससे यह पता चलेगा कि किसकी गलती है। उन्होंने दो विश्वविद्यालयों में की गई कार्रवाई का उदाहरण भी दिया।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश के कई विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के बेहतर भवन और संसाधन उपलब्ध हैं लेकिन उनका पूरा उपयोग नहीं हो रहा है। दोपहर बाद खाली रहने वाले शैक्षणिक परिसरों का उपयोग कौशल विकास, रोजगारपरक प्रशिक्षण और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए किया जाना चाहिए ताकि युवाओं को रोजगार व स्वरोजगार के लिए तैयार किया जा सके।

दीक्षांत में 242 मेधावियों को मेडल, 81822 को मिलीं उपाधियां

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) राज्य विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षांत समारोह में 81822 विद्यार्थियों को उपाधियां मिलीं जिनमें 61753 स्नातक व 20129 परास्नातक विद्यार्थी शामिल हैं। वहीं, 242 मेधावियों को मेडल प्रदान किए गए जिनमें 73 स्वर्ण, 82 रजत और 87 कांस्य पदक शामिल हैं। मेडल पाने वाले मेधावियों में 66.53 फीसदी छात्राएं व 33.47 फीसदी छात्र शामिल हैं। राज्यपाल ने कहा कि छात्राओं की उल्लेखनीय सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेटियां लगातार नई ऊंचाइयां छू रही हैं।

शिप्रा यादव को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक

–रज्जू भइया के नौवें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक नैनी स्थित सड़वा की रहने वाली शिप्रा यादव को मिला। वह प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय परिसर में परास्नातक जीव विज्ञान की छात्रा हैं।

महापुरुषों के नाम पर हों प्रतियोगिताएं

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों का जिन महापुरुषों के नाम पर नामकरण हुआ है, वहां उनके जीवन, विचार व योगदान से विद्यार्थियों को जोड़ने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए जाएं।

चित्रकला, भाषण, निबंध व लेखन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को महापुरुषों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराया जाए ताकि छात्र उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतार सकें।

बच्चों के सामने पत्नी पर हमला, चाकू लेकर थाने पहुंचा युवक

प्रयागराज। ठठेरी बाजार में बृहस्पतिवार दोपहर घरेलू विवाद में पति ने दो बच्चों के सामने पत्नी पर चाकू से हमला कर गला रेत दिया। वारदात के बाद आरोपी चाकू लेकर कोतवाली पहुंचा और घटना की जानकारी पुलिस को दी। ठठेरी बाजार में बृहस्पतिवार दोपहर घरेलू विवाद में पति ने दो बच्चों के सामने पत्नी पर चाकू से हमला कर गला रेत दिया। वारदात के बाद आरोपी चाकू लेकर कोतवाली पहुंचा और घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल महिला को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। चौक कोतवाली क्षेत्र के ठठेरी बाजार निवासी अभिषेक गुप्ता की करीब 12 वर्ष पहले कड़ा, कौशाम्बी निवासी शशि गुप्ता से शादी हुई थी। दंपती के अंशु और लाडो दो बच्चे हैं। अभिषेक हुक्का का फ्लेवर बेचता है जबकि शशि हंडिया में ब्यूटी पार्लर चलाती है। पुलिस ने बताया कि कि दोनों में कई दिनों से विवाद चल रहा था। बृहस्पतिवार दोपहर कहासुनी बढ़ने पर अभिषेक ने घर में रखे चाकू से पत्नी पर हमला कर दिया। शशि के भाई रवि मोदनवाल ने बताया कि भांजे ने फोन कर इसकी सूचना दी थी। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जनसत्ता दल की समीक्षा बैठक में छाया रहा युवाओं का मुद्दा, बेरोजगारी और नीट पेपर लीक पर हुई चर्चा

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित भदरी कोठी में जन सत्ता दल की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति, युवाओं की बेरोजगारी तथा दिल्ली

में चल रहे नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। सिविल लाइंस स्थित भदरी कोठी में जन सत्ता दल की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति, युवाओं की बेरोजगारी तथा दिल्ली में चल रहे नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में पार्टी नेताओं ने दावा किया कि जन सत्ता दल को पूरे उत्तर प्रदेश में 27 प्रतिशत वोटों का समर्थन प्राप्त है। साथ ही घोषणा की गई कि सरकार बनने पर बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह 10 हजार रुपये का बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीके सिंह, राजू प्रधान महासचिव, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बलबीर सिंह राजावत, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष पूनम पांडेय, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुहम्मद नसीर, राकेश पांडेय मीडिया प्रभारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंडल में अनफिट पाए गए 220 स्कूली वाहन

प्रयागराज। एक से 15 जुलाई तक चले संभागीय परिवहन विभाग के मिशन सेफ फ्यूचर अभियान में मंडल में 220 स्कूली वाहन अनफिट पाए गए। ये वाहन बिना फिटनेस, परमिट, बीमा और सुरक्षा मानकों के बच्चों को स्कूल पहुंचा रहे थे। अभियान के दौरान मंडल में 554 वाहनों का चालान किया गया। इसके अतिरिक्त 98 वाहनों जब्त किया गया। 43 चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस भी निरस्त किए गए। आरटीओ प्रवर्तन एसपी सिंह ने बताया कि प्रयागराज मंडल में 3286 पंजीकृत वाहनों की जांच हुई। प्रयागराज में 1288 पंजीकृत वाहनों में से 104 अनफिट मिले। यहां 301 वाहनों का चालान हुआ जबकि 38 को जब्त किया गया। कौशाम्बी में 488 पंजीकृत वाहनों में 40 अनफिट पाए गए। यहां 51 का चालान हुआ और 23 वाहन जब्त किए गए। प्रतापगढ़ में 779 पंजीकृत वाहनों में 49 अनफिट और फतेहपुर में 731 में 27 अनफिट मिले। जांच में सामने आया कि कई वाहन क्षमता से दोगुने बच्चे बैठाकर चल रहे थे। एक वाहन में सात बच्चों की क्षमता के स्थान पर 15 बच्चे मिले। दूसरे वाहन में आठ की जगह 14 बच्चे और एक अन्य में 17 बच्चे पाए गए। यह स्थिति शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिली।

वार्ड बना, उपकरण मिले, डॉक्टर बिन सब बेकार

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय (कॉल्विन) परिसर में पांच साल से बनकर तैयार 42 बेड का पीडियाट्रिक वार्ड अब तक शुरू नहीं हो सका है। कीमती उपकरण अस्पताल में रखे धूल फांक रहे हैं। कुछ उपकरणों के खराब होने का डर है। यहां बच्चों के भर्ती होने की कोई व्यवस्था नहीं है।

लखनऊ की आईसीआरपी संस्था ने करीब 70 लाख रुपये की लागत से इस वार्ड का निर्माण कराया था। 12 बेड के पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीकू) और 30 बेड के सामान्य वार्ड के लिए चार डॉक्टर, 30 नर्स, छह वार्ड बॉय, तीन लैब टेक्नीशियन, चार फार्मासिस्ट, दो स्वीपर और चार सुरक्षा कर्मियों की तैनाती होनी हैं। शासन को कई बार पत्र लिखा जा चुका है लेकिन तैनाती नहीं हो रही है। करीब तीन साल पहले पीडियाट्रिक वार्ड में इस्तेमाल होने वाले 12 वेंटिलेटर, छह पैरा मॉनीटर, फोटो थेरेपी मशीन, 12 वार्मर, 12 आईसीयू व 30 सामान्य बेड कॉल्विन अस्पताल को उपलब्ध करा दिए गए थे। इन उपकरणों की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये है। इन्हें कॉल्विन अस्पताल परिसर की नई बिल्डिंग में स्थित पालना घर में रखा गया है। उपकरणों पर धूल की मोटी परत जम गई है।

शहर में गंभीर बच्चों के लिए सीमित सुविधाएं उपलब्ध हैं। सरोजनी नायडू बाल चिकित्सालय में 25 पीडियाट्रिक आईसीयू बेड हैं। जिला महिला चिकित्सालय में स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) के 18 बेड हैं। चिल्ड्रेन अस्पताल पर प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर, भदोही, मिर्जापुर और जौनपुर समेत कई जिलों के मरीजों का दबाव है। यहां नवजात शिशुओं को भर्ती करने में काफी कठिनाई होती है। (कॉल्विन) का 42 बेड का पीडियाट्रिक वार्ड चालू होने से बड़ी राहत की उम्मीद थी लेकिन यह पांच साल बाद भी पूरी नहीं हो सकी।

पीडियाट्रिक वार्ड शुरू करने के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। उम्मीद है कि जल्द ही वार्ड को संचालित कर दिया जाएगा। उपकरणों को पालना घर में सुरक्षित रखा गया है। सभी उपकरण क्रियाशील हैं। –डॉ. एसके चौधरी, प्रमुख अधीक्षक, कॉल्विन अस्पताल

संक्षिप्त

यूपी में मानसून ने पकड़ी रफ्तार, छह दिन झमाझम बारिश के आसार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार से बारिश का दौर और तेज होगा। 22 जुलाई तक पूर्वी और पश्चिमी यूपी के ज्यादातर हिस्सों में मध्यम से अच्छी बारिश होने की संभावना है। दक्षिणी–पूर्वी जिलों सोनभद्र, चंदौली, प्रयागराज, वाराणसी, गाजीपुर, मिर्जापुर और बलिया में भारी बारिश हो सकती है। इससे पहले बृहस्पतिवार को तराई समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र मजबूत हो रहा है। इसके प्रभाव से 17 जुलाई के बाद पूरे प्रदेश में मानसून सक्रिय होगा, बारिश का दायरा बढ़ेगा, तापमान में गिरावट आएगी और उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को लखीमपुर खीरी में 62.4 मिमी, महराजगंज में 32 मिमी, बाराबंकी में 28 मिमी, आगरा में 22.6 मिमी और लखनऊ में 18 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, बुंदेलखंड के कई जिलों में तीखी गर्मी का असर बना रहा। बांदा में अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस, फतेहपुर में 38.6 डिग्री और झांसी में 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राजधानी के चारों ओर दौड़ेंगी ऑर्बिटल रेल, चारबाग पर घटेगा दबाव

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में चारबाग स्टेशन और शहर के अंदर की रेल लाइनों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए चारों तरफ 170 किमी लंबा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर बनाया जाएगा। प्रोजेक्ट का उद्देश्य शहर के बीच से गुजरने वाली पैसेंजर ट्रेनों और मालगाड़ियों को बाहर से निकालना है, ताकि जाम व भीड़ कम हो सके। ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर रिंग रेल लाइन होगी, जो लखनऊ के बाहरी इलाकों को आपस में जोड़ेगी। इससे शहर के अंदर बिना आए ही एक से दूसरे जिले जाया जा सकेगा। इस ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर के बनने से लखनऊ के आसपास के शहरों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और राजधानी का ट्रैफिक सुगम होगा। प्रोजेक्ट पर करीब 2000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस योजना में पैसेंजर ट्रेनें और मालगाड़ी दोनों तरह की गाड़ियां चलाई जाएंगी। रेलवे के जानकारों ने बताया कि लखनऊ क्षेत्र में अभी सात मुख्य रेल मार्ग हैं। इन पर भारी दबाव के कारण रेल यातायात बाधित हो रहा है। यह क्षेत्र उत्तर रेलवे, उत्तर–पूर्व रेलवे और पूर्व–मध्य रेलवे के लिए प्रवेश द्वार के रूप में काम करता है, जिससे यहां रेल यातायात का दबाव बढ़ जाता है। वर्तमान में लखनऊ से अयोध्या, वाराणसी, कानपुर, मुरादाबाद, सीतापुर, रायबरेली और सुल्तानपुर की ओर जाने वाले मार्गों पर सबसे ज्यादा ट्रेनों का संचालन है। लखनऊ और ऐशबाग स्टेशनों पर करीब 90 प्रतिशत मालगाड़ियां और 70–80 प्रतिशत यात्री गाड़ियां गुजरती हैं। ज्यादा दबाव होने से ट्रेनों को आउटर पर रुकना पड़ता है, जिससे ये लेट भी होती हैं। यह कॉरिडोर बनने से ट्रेनों के संचालन में काफी आसानी हो जाएगी।

लखनऊ में एक और इंटरनेशनल कॉल सेंटर पर छापा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ क्राइम ब्रांच ने गुरुवार रात 1 बजे से शुक्रवार तड़के 5 बजे के बीच सुशांत गोल्फ सिटी के ओमैक्स अपार्टमेंट में इंटरनेशनल कॉल सेंटर पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कई इलेक्ट्रॉनिक मशीन बरामद की हैं। आठ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। एडीसीपी (क्राइम) किरण यादव ने बताया कि क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि ओमैक्स अपार्टमेंट में कई कॉल सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। मामला अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर से जुड़ा होने के कारण देर रात दबिश देकर कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक, मौके से बड़ी संख्या में कंप्यूटर, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक मशीन बरामद हुई हैं। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। इन लोगों में पुनीत वर्मा और देवेंद्र पटेल मुख्य हैं। इन लोगों ने कबूला है कि ठगी किया करते थे। एडीसीपी ने बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है। पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों की जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभी तक की पूछताछ में पता चला है कि कस्टमर सपोर्ट सर्विस के नाम पर लोगों को ठगते थे। इनको ऑनलाइन ट्रांसफर्ड कॉल आते थे।

बेटी का शव ससुराल से 70किमी दूर मिला

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में शादी के 5 महीने बाद लापता महिला का शव उसकी ससुराल से 70 किलोमीटर दूर नहर में मिला। मायकेवालों ने आरोप लगाया था कि बेटी 11 जुलाई को वॉट्सएप पर वॉयस मैसेज भेजकर कहा था कि मुझे सुबह 7 बजे तक यहां से ले जाओ। अगली सुबह जब पहुंचे तो बेटी की ससुराल में ताला बंद था और बेटी सहित सभी ससुरालियों का फोन नंबर स्विच ऑफ हो गया था। तब से शिकायत लेकर इटौंजा थाने में मायकेवाले बैठ गए। उधर, 13 जुलाई को नगराम इलाके से गुजरने वाली इंदिरा नहर के सलेमपुर अचाका रेगुलेटर में एक महिला का शव मिला। उस शव की शिनाख्त नहीं हो पा रही थी। इटौंजा थाने में बैठे मायकेवालों ने 16 जुलाई को जब हंगामा शुरू किया तब पुलिस ने पिता को पीएम हाउस भेजा। वहां रखे शव की शिनाख्त पिता ने अपने बेटी के शव के रूप में की। जैसे ही जानकारी हुई कि बेटी की डेडबॉडी मिली है, थाने में मौजूद मां की हालत बिगड़ने लगी। मृतका की छोटी बहन ने खुद पर डीजल डाल लिया। उसने आरोप दोहराया कि ससुरालवालों ने दीदी को मार डाला। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मृतका हिमांशी कश्यप थी। सीतापुर के पवन कश्यप ने अपनी बेटी की शादी मैट्रिमोनियल साइट के जरिये इटौंजा के प्रदीप गौड़ के साथ 5 महीने पहले की थी।

नए लुक में तैयार हुआ ऐशबाग जंक्शन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर पूर्व रेलवे के लखनऊ मंडल का ऐशबाग जंक्शन अब नए और आधुनिक स्वरूप में यात्रियों के लिए तैयार है। रेलवे मंत्रालय की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 24.13 करोड़ रुपए की लागत से स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है। स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था और आकर्षक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है। यहां प्रतिदिन करीब 50 ट्रेनों का ठहराव होता है, जबकि एक ट्रेन का संचालन यहीं से शुरू होता है और एक ट्रेन का समापन भी इसी स्टेशन पर होता है। पुनर्विकास के दौरान स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, प्रवेश द्वार और बाहरी परिसर को नए सिरे से विकसित किया गया है। स्टेशन परिसर का विस्तार करने के साथ ट्रैफिक प्रबंधन में सुधार किया गया है ताकि स्टेशन के बाहर जाम की समस्या कम हो और यात्रियों की आवाजाही आसान हो सके। स्टेशन पर करीब 5,500 वर्गमीटर क्षेत्र में नई पार्किंग विकसित की गई है।

सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के द्वारा ष्एक पेड़ माँ के नामष् अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर का निर्माण तथा विद्यार्थियों एवं समाज में प्रकृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व महापौर कार्यकारी अध्यक्ष कायस्थ पाठशाला चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह के करकमलों द्वारा टेबुबिआ वृक्ष का रोपण किया गया द्य इस अवसर पर महाविद्यालय में चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह अध्यक्ष कायस्थ पाठशाला, प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे, विभागाध्यक्ष प्रो. मंजू श्रीवास्तव, प्रो. सरिता श्रीवास्तव, प्रो. अमिता पाण्डेय, डॉ दीपक कुमार गौड़, राष्ट्रीय सेवा योजना (छै), ग्रीन यूथ ब्रिगेड क्लब (ळल्ठब्), राष्ट्रीय कैडेट कोर (छब्), स्टाफ तथा छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। सभी प्रतिभागियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया।कार्यक्रम में उपस्थित चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह अध्यक्ष कायस्थ पाठशाला प्रयागराज ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का कार्य

नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित भविष्य का आधार भी हैं। ष्एक पेड़ माँ के नामष् अभियान मातृत्व के सम्मान के साथ–साथ प्रकृति संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश देता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के संयोजक. मंजू श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों तथा छात्र छात्राओं का स्वागत किया तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। डॉ दीपक कुमार गौड़, ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा वृक्षारोपण को जन–आंदोलन बनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने के साथ हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के हरित एवं स्वच्छ परिसर के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम में प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे, विभागाध्यक्ष प्रो. मंजू श्रीवास्तव, प्रो. सरिता श्रीवास्तव, प्रो. संजय सिंह, प्रो. अमिता पाण्डेय, डॉ दीपक कुमार गौड़, डॉ अलोक सिंह, डॉ कृति राजे,डॉ अविनाश प्रताप , प्रो.अर्चना श्रीवास्तव, प्रो. नीता सिन्हा,डॉ सरोज सिंह, डॉ आभा श्रीवास्तव,सिंह एवं समस्त शिक्षक उपस्थित रहेंद्य शोध छात्र रूचि मणि, स्वप्निल आनंद, स्नातक और परास्नातक के छात्र आदि मौजूद रहे।

कांवड़ियों से सीएम योगी की अपील, अनुशासन बनाए रखें, छोटी बातों पर हुड़दंग से बचें

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शामली में आयोजित जनसभा के दौरान कांवड़ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं से अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान छोटी–छोटी बातों को लेकर किसी भी तरह का विवाद या हुड़दंग नहीं होना चाहिए, क्योंकि ऐसी घटनाओं का विरोधी तत्व गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कांवड़ संघों और श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की मर्यादा, भगवान श्रीकृष्ण की लीला और भगवान शिव की समरसता से प्रेरणा लेकर यात्रा पूरी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि धैर्य और अनुशासन ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। सीएम योगी ने कहा कि यदि कहीं अनुशासनहीनता या हंगामा होता है तो उसके दृश्य विरोधी सुरक्षित रखेंगे और भविष्य में कांवड़ यात्रा को प्रभावित करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और उनकी आस्था के सम्मान के लिए हरसंभव व्यवस्था कर रही है। उन्होंने इसे डबल इंजन सरकार की आस्था के प्रति प्रतिबद्धता बताया। मुख्यमंत्री का यह बयान हाल ही में मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा के दौरान हुए हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आया है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले धार्मिक आयोजनों पर रोक लगाने, कांवड़ यात्रा को बाधित करने और धार्मिक स्थलों की संपत्तियों पर कब्जा करने जैसी घटनाएं होती थीं। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार ने आस्था और विकास दोनों को समान महत्व दिया है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शामली में 581 करोड़ रुपये की लागत वाली विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शामली, बिजनौर और गाजियाबाद जिलों के लिए कुल 2,452 करोड़ रुपये की 255 विकास परियोजनाओं की भी सौगात दी। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं क्षेत्र के विकास को नई गति देंगी और विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को मजबूत करेंगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : फाइनल रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपेगी एसआईटी, यूपी सरकार से मांगा और समय

लखनऊ (संवाददाता)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच के कई अहम पहलुओं की जांच अभी जारी है। जांच दल ने अब तक चढ़ावा गणना व्यवस्था,

टीम (एसआईटी) सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में अपनी अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। सूत्रों के अनुसार, शीर्ष अदालत के निर्देश के अनुपालन में यह रिपोर्ट सीधे सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की जाएगी।

बताया जा रहा है कि एसआईटी अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार से अतिरिक्त समय भी मांग सकती है, क्योंकि मामले कथित वित्तीय अनियमितताओं, बैंकिंग लेनदेन, आरोपियों की भूमिका और संबंधित दस्तावेजों की गहन पड़ताल की जा रही है।

हाल में कस्टडी रिमांड के दौरान हुई पूछताछ और बरामदगी से मिले नए सुरागों का भी सत्यापन किया जा रहा है। इन सभी बिंदुओं पर जांच पूरी होने के बाद एसआईटी अपनी अंतिम रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत करेगी।

राम मंदिर की व्यवस्थाओं और दानराशि प्रबंधन की जांच कर रही एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंपी थी। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी जांच में राम मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़ी पांच बड़ी खामियां मिली हैं।

जांच के दौरान मंदिर की प्रशासनिक, वित्तीय और संचालन व्यवस्था से जुड़ी कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। रिपोर्ट में दानराशि की सुरक्षा से लेकर नियुक्तियों, खरीद प्रक्रिया और प्रसाद वितरण व्यवस्था तक कई बिंदुओं पर सवाल उठाए गए हैं।

जांच में पाया गया कि श्रद्धालुओं के चढ़ावे को मंदिर परिसर से बैंक तक पहुंचाने तथा गणना कक्ष में उसकी गिनती की प्रक्रिया में पर्याप्त सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था नहीं थी। यही कारण है कि दानराशि प्रबंधन को लेकर कई स्तरों पर सुधार की आवश्यकता महसूस की गई।

एसआईटी ने यह भी पाया था कि श्रद्धालुओं की ओर से भेंट किए गए सोने और चांदी के आभूषणों का समुचित अभिलेखीकरण नहीं किया जा रहा था। ऐसे कई मामलों का उल्लेख किया गया है, जहां मूल्यवान धातुओं के संग्रहण और रिकॉर्ड रखने की व्यवस्था मानक के अनुरूप नहीं मिली। रिपोर्ट में मंदिर की विभिन्न नियुक्तियों पर भी सवाल उठाए गए हैं। जांच में सामने आया कि कई पदों पर नियुक्तियां निर्धारित प्रक्रिया और योग्यता मानकों के बजाय सिफारिशों के आधार पर की गईं। इससे प्रशासनिक दक्षता और जवाबदेही प्रभावित होने की बात कही गई है। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी ने इन सभी बिंदुओं पर सुधारात्मक कदम उठाने, जवाबदेही तय करने और वित्तीय व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी बनाने की सिफारिश की है।

हथियार निर्माण का नया पावर हाउस बना यूपी, पिस्टल-रिवॉल्वर बनाने में सबसे आगे, ये जिले भी बना रहे पहचान

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के विकास के साथ छोटे हथियारों के निर्माण का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। राज्य में रक्षा क्षेत्र में करीब 29 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें पिस्टल, रिवॉल्वर और अन्य स्मॉल आर्म्स बनाने वाली कई निजी कंपनियां उत्पादन शुरू कर चुकी हैं या परियोजनाओं पर काम कर रही हैं। पहले जहां छोटे हथियारों का निर्माण मुख्य रूप से कानपुर की सरकारी इकाइयों तक सीमित था, वहीं अब हरदोई, अलीगढ़ और झांसी जैसे जिले भी इस क्षेत्र में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। इससे यूपी में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों का सबसे बड़ा स्मॉल आर्म्स क्लस्टर विकसित हो गया है जबकि तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में मुख्यतः सरकारी हथियार इकाइयां हैं। उत्तर प्रदेश अब छोटे हथियार यानी पिस्तौल, रिवॉल्वर और कार्बाइन निर्माण का सबसे बड़ा उभरता हुआ केंद्र बन चुका है।

मोगरा उस...

(कुण्डलिया)

आशा निष्ठा साथ में, शुचिता प्रेम प्रतीक।
दिखे सभी इक फूल में, लगता जो रमणीय।
लगता जो रमणीय, मोगरा उसको कहते।
नारी का श्रंगार, हमेशा हँस कर करते।
सुन लो कहें प्रदीप, खुशी की बन प्रत्याशा।
सबके दिल की बनी, मधुर नव जीवन–आशा।।

जिसके अंतस में सदा, खुशबू करे प्रवास।
सुन्दर सफेद फूल वह, लगे सभी को ख़ास।
लगे सभी को ख़ास, कृष्ण से जिसका नाता।
महफ़िल की बन जान, मोगरा सबको भाता।
सुन लो कहें प्रदीप, जानिएँ हर गुण उसके।
भक्ति भाव के साथ, प्रेम अंतस में जिसके।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शुमैला नकवी ने लिखी झंझावातों से भरी जिंदगी को रास्ता दिखाने वाली किताब

(शाहिद नकवी)

प्रयागराज। मंडल के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में पढ़ी बढ़ी शुमैला फातिमा नकवी ने इंसान की लाइफ साइकोलॉजी पर एक विस्तृत किताब लिखी है जो अनावश्यक रूप से परेशान लोगों को उबरने में सहायक सिद्ध हो सकती है। झंझावातों से भरी जिंदगी में एक रास्ता दिखाने वाली किताब है।अब किताब अमेज़न स्टोर पर बिक्री के लिए उपलब्ध है।शुमैला जीवट की धनी और बेहद जुझारू हैं।घर परिवार बच्चों को सम्हालते हुए उन्होंने ये किताब लिखी है।

शुमैला को लेखन विरासत में मिला है।शुमैला के पिता सैफिराज ताकीर नकवी के नाना सन 1950 के दशक में उन्नाव से उर्दू भाषा में अखबार निकाला करते थे।वह पोस्ट आफिस में पोस्ट मास्टर भी रहे हैं।कुंडा जैसी छोटी सी जगह से निकल कर शुमैला ने शिक्षा और साहित्य से हाथ मिलाया है। उन्होंने शिक्षा ग्रहण करने के मार्ग में कभी घर परिवार की उपेक्षा नहीं की।सबसे बड़ी बात ये रही है कि शुमैला को शादी के बाद भी भरपूर साहित्यिक माहौल मिला। उनके स्व ससुर प्रोफेसर फजले इमाम रिजवी को कौन नहीं जानता है।कई भाषाओं के ज्ञाता प्रोफेसर रिजवी ने अपने जीवन काल में समाजिक, साहित्यिक और भाषा पर तमाम किताबें लिखी हैं।वह प्रसिद्ध इलाहाबाद विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के अध्यक्ष रहे हैं।शिक्षा चयन आयोग के अध्यक्ष भी रहे,वह राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर में भी कार्यरत रहे हैं।आगे बढ़ने के लिए शुमैला को उन्हीं से प्रेरणा मिली है। वर्तमान में शुमैला लखनऊ में रह कर अपना आगे का कार्य कर रही हैं। शुमैला वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार शाहिद नकवी की भतीजी हैं।

किताब के बारे में– अननॉटिंग द माइंडरू लाइफ स्किल्स एंड साइकोलॉजी फॉर ए हैप्पियर यू एक सेल्फ–हेल्प बुक है जो बताती है कि स्ट्रेस, एंग्जायटी और नेगेटिव सोच हमारी ज़िंदगी पर कैसे असर डालती हैं। यह मॉडर्न साइकोलॉजी, काउंसलिंग टेक्नीक, पॉजिटिव साइकोलॉजी और भारतीय ज्ञान को मिलाकर पढ़ने वालों को सेल्फ–अवेयरनेस, इमोशनल रेजिलिएंस, हेल्दी रिलेशनशिप और प्रैक्टिकल लाइफ स्किल डेवलप करने में मदद करती है। आसान एक्सप्लेनेशन, असल ज़िंदगी के उदाहरणों और रिफ्लेक्शन एक्सरसाइज के ज़रिए, यह किताब पढ़ने वालों को ज़्यादा खुशी, पर्सनल ग्रोथ और ज़्यादा मीनिंगफुल ज़िंदगी की ओर गाइड करती है।किताब का नाम (न्दादवजजपदह जीम डपदक) का मतलब है मन को स्ट्रेस, एंग्जायटी, नेगेटिव विचारों, खुद पर शक, डर और अनसुलझे इमोशंस की ष्गांठोंष से आज़ाद करना, जो हमें एक खुशहाल और मतलब वाली ज़िंदगी जीने से रोकती हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. CEN-2026-27-08 — दिनांक : 15.07.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी0)/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 10.08.2026 के समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

निविदा सूचना सं. : CEN-2026-27-08	अनुमानित मूल्य (रू.) : Rs 35.37 Cr. (Approx.)
कार्य का विवरण : MKP-IDGJ तीसरी लाइन प्रोजेक्ट के तहत DY.CE/C/PRYJ के अधिकार क्षेत्र में मानिकपुर स्टेशन के लिए नई EI बिल्डिंग, अन्य सर्विस बिल्डिंग, टॉवर वैगन शेड, प्लेटफॉर्म, FOB/पैप का विस्तार, स्टाफ क्वार्टर आदि का निर्माण; बैलास्ट की सप्लाई, ट्रांसपोर्टेशन और ढुलाई; ट्रैक लिंकिंग का काम; P. Way मटीरियल का ट्रांसपोर्टेशन AT और FB वेल्डिंग तथा अन्य सहायक विविध कार्य।	
बोली प्रतिभूति (रू.) : Rs 70,73,300/-	कार्य समापन की अवधि : 15 माह
निविदा बंद करने की तिथि और समय : 10-08-2026 15:00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि : 10-08-2026 15:30 बजे	
निविदा का प्रकार : ओपेन टेन्डर (दो पैकेट प्रणाली)	

नोट: 1- उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 10-08.2026 तक उपलब्ध है। 2- उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3- बोली प्रतिभूति या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड निविदा दस्तावेज में दिये गये अनुलग्नक-बीजी के अनुसार होगा और बोल (बिड) वैधता अवधि से परे 30 दिनों की अवधि के लिये वैध होगा। 4- निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उन पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5- निविदा की राशि 10 करोड़ से अधिक होने पर संयुक्त उद्यम (जे.वी.)/Consortiums/MOUs पर विचार किया जायेगा। 6- संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 7- सभी निविदाओं हेतु निविदाकर्ता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 8- निविदा दस्तावेज में उल्लिखित योग्यता/मानदण्डों को पूरा करने के दावे के समर्थन में अपलोड किये गये दस्तावेजों/प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपियों पृष्ठ को टेण्डरर फर्म के निविदाकार या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं प्रमाणित/डिजिटल हस्ताक्षरित किया जायेगा। स्वयं प्रमाणन में हस्ताक्षर, मोहर और तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) अंकित होनी चाहिये। केवल वे दस्तावेज जिन्हें निविदाकार द्वारा स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि निर्धारित पात्रता मानदण्डों की अर्हता प्राप्त करने के दावे का समर्थन करने वाले दस्तावेज को ही उनकी निविदा का मूल्यांकन करने के लिये विचार किया जायेगा। निविदाकार द्वारा दी गयी किसी भी गलत जानकारी के मामले में अनुबन्ध समाप्त कर दिया जायेगा एवं बोली प्रतिभूति, परफारमेंस गारण्टी और सिक्योरिटी डिपाजिट जब्त कर ली जायेगी और भारतीय रेलवे में एजेंसी पर 2 (दो) वर्ष तक कोई भी व्यवसाय करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया जायेगा। 9- सरकारी अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी जी.एस.टी. अधिनियम और सरकार/सम्बन्धित प्राधिकरण द्वारा समय समय पर जारी किये गये नियम लागू होंगे। 10- किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11- निविदा आनलाइन दिनांक 10-08-2026 को समय 15:00 बजे तक सबमिट किया जा सकता है तथा निविदा 15:30 बजे उसी दिन खोली जायेगी।

1637/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

बेलगाम महंगाई, बेपरवाह सरकार

केंद्र सरकार के तमाम दावों के विपरीत देश में महंगाई एक भयंकर समस्या की तरह छा चुकी है और ऐसा लग रहा है कि देश गंभीर आर्थिक संकट का शिकार होने जा रहा है। नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा के तमाम नेता केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों के लिए डबल इंजन सरकार का विशेषण इस्तेमाल करते हैं। इसका अभिप्राय यह हुआ कि एक इंजन जितनी क्षमता से गाड़ी खींचेगा, डबल इंजन दोगुनी ताकत लगाएगा, यानी हर चीज में रफ्तार बढ़ेगी। कायदे से इस विशेषण का सकारात्मक असर दिखना चाहिए था, लेकिन फिलहाल डबल इंजन सरकारों के दौर में महंगाई का श्डबल अटैकश यानी दोगुना वार देखा जा रहा है। पहले खुदरा महंगाई दर के बढ़ने की खबर आई और अब सरकारी आंकड़े ही बता रहे हैं कि थोक महंगाई दर भी उम्मीद से ज्यादा बढ़ गई है। मंगलवार को सरकार की ओर से जून का होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) यानी थोक महंगाई का आंकड़ा जारी किया गया, जिसके मुताबिक, थोक महंगाई जून में बढ़कर ९.८७ प्रतिशत पर जा पहुंची, जो इससे पहले मई महीने में ९.६८ प्रतिशत थी। इससे पहले सोमवार को सरकार ने खुदरा महंगाई दर का आंकड़ा जारी किया था। जिसमें पता चला कि जून में खुदरा महंगाई तेजी से बढ़ते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के तय ४ प्रतिशत के लक्ष्य के पार निकल गई है। ये लगातार छठा महीना है, जबकि महंगाई दर में बढ़ोतरी हुई है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में भी महीने दर महीने ३.७५ प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है, जबकि जबकि गैर–खाद्य पदार्थों की कीमतों में १.४३ प्रतिशत का इजाफा हुआ। सरकार के पास इस महंगाई को सही ठहराने के तर्क भी मौजूद हैं, जो बाकायदा अर्थशास्त्रियों की जुबान से समझाए जाने लगे हैं। जैसे बताया जा रहा है कि इस बार थोक महंगाई को बढ़ाने में सबसे बड़ा हाथ खाद्य उत्पादों और गैर–खाद्य वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों का रहा है। बारिश की कमी और अल नीनो के प्रभाव के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिससे जून में खाद्य महंगाई दर बढ़कर ५.४६ प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में महज ३.६० प्रतिशत थी। इसके साथ ही, गैर–खाद्य वस्तुओं की थोक महंगाई दर भी उच्च स्तर पर यानी ११.०७ प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि जून में ईंधन महंगाई दर घटकर २७.४१ प्रतिशत रह गई, जो मई में ३०.३३ प्रतिशत के चरम स्तर पर थी। इसके पीछे कारण यह है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की घोषणा हुई तो जून में वैश्विक कमोडिटी और कच्चे तेल की कीमतों को थोड़ी राहत मिली थी, जिसका असर घरेलू स्तर पर भी दिखा। लेकिन अब तो फिर जंग छिड़ गई है, लिहाजा ईंधन महंगाई दर भी अब बढ़ेगी और उस वजह से फिर सारी चीजों को महंगा करने का अच्छा बहाना मिल जाएगा। इसलिए अभी से बताया जा रहा है कि जुलाई २०२६ में थोक महंगाई दर १० प्रतिशत के पार जा सकती है। थोक महंगाई का सीधा असर खुदरा महंगाई पर पड़ता ही है। आरबीआई ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए अपने महंगाई अनुमान को ४.६ प्रतिशत से बढ़ाकर ५.१ प्रतिशत कर दिया है, क्योंकि ईंधन की ऊंची वैश्विक कीमतों का असर अब खुदरा पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी दिखने लगा है। इसका सीधा मतलब यह है कि आने वाले समय में ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम है और आम उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ बढ़ सकता है। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर उत्पादन क्षेत्र पर बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो उत्पादक इसका बोझ ग्राहकों पर डाल देते हैं। यहीं सरकार की भूमिका अहम हो जाती है कि वह कीमतों को नियंत्रित करने के लिए शिद्दत से कोशिश करती है या नहीं। ऐसा तो नहीं है कि महंगाई आसमान से टपकती है। वह इसी दुनिया के व्यापारियों और सरकारों के बनाए नियमों से संचालित होती है और उसमें कहां, कितना सुधार किया जा सकता है यह हरेक देश की सरकारों को सोचना होता है। बुनियादी जरूरत, सुविधाएं और विलासिता इनमें हमेशा से फर्क रहता आया है। इसी वजह से दुनिया में वर्ग विभेद कायम हुआ और बना ही रहा। भारत भी इनसे अछूता नहीं था। लेकिन पहले कम से कम रोटी, कपड़ा और मकान विलासिता की श्रेणी में नहीं आते थे। अब बढ़ती महंगाई यही असर दिखा रही है। सरकार दावा कर सकती है कि उसने गरीबों के लिए आवास योजना चलाई है, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से देश के लगभग ८० करोड़ (८१.३५ करोड़) से अधिक लोगों को हर महीने मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। कोविड लॉकडाउन में शुरु हुई इस योजना की अवधि बार–बार बढ़ाई जाती रही। १ जनवरी २०२४ से योजना को अगले ५ साल यानी दिसंबर २०२८ तक के लिए बढ़ा दिया है। इस योजना का उद्देश्य देश के गरीब और जरूरतमंद परिवारों को खाद्य और पोषण सुरक्षा प्रदान करना है। लेकिन पांच किलो गेहूं या चावल से कौन से पोषण की भरपाई हो रही है और इस योजना की जमीनी हकीकत क्या है, यह सब जानते हैं। यह सही बात है कि इसमें अत्यंत गरीब लोगों को भुखमरी का डर नहीं रहा, लेकिन क्या यही हमारे विकास की परिभाषा है। महंगाई की तुलना रामचरितमानस में वर्णित सुरसा राक्षसी से की जाती है, क्योंकि यह एकतरफा वार नहीं करती है, कहीं से, किसी भी तरह से और कितने भी विकराल रूप में आक्रमण करती है। इसलिए महंगाई के आंकड़े जारी कर यह बताना कि इस बार थोक महंगाई इतनी बढ़ी और इसके कारण खुदरा महंगाई बढ़ गई और इन दोनों के पीछे ऐसे हालात जिम्मेदार हैं, तो केवल इतनी सूचना से सरकार की जिम्मेदारी पूरी नहीं होती है।

उच्च शिक्षा में नए आयाम स्थापित कर रही है नारी शक्तिः राज्यपाल

आधुनिकता को अपनाएँ परन्तु संस्कृति व परंपराओं से विच्छिन्न न हों- मालिनी अवस्थी

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 21वां दीक्षान्त समारोह में 26 को मिले गोल्ड मेडल

प्रयागराज । उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 21वां दीक्षान्त समारोह शुक्रवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। मुख्य अतिथि पद्मश्री मालिनी अवस्थी, प्रख्यात भारतीय शास्त्रीय एवं लोक गायिका, लखनऊ दीक्षान्त उद्बोधन दिया। कैबिनेट मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय तथा श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार विशिष्ट अतिथि के रूप में दीक्षान्त समारोह में शामिल हुये।

21वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 26 स्वर्ण पदक प्रदान किये गयें, जिनमें 20 स्वर्ण पदक छात्राओं तथा 06 स्वर्ण पदक छात्रों की झोली में गये। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर–2025 तथा जून–2026 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण 30886 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी, जिसमें 17778 पुरूष तथा 13098 महिला शिक्षार्थी रहे। इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कर कमलों से उपाधियों एवं अंक प्रमाणपत्रों को डिजीलॉकर में अपलोड कर प्रसारित किया गया। दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 21वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि शिक्षा केवल उपाधि प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सबसे प्रभावी साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग केवल रोजगार तक सीमित न रखें, बल्कि समाज की समस्याओं के समाधान, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। राज्यपाल ने इस उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने उन लाखों लोगों तक शिक्षा पहुँचाने का सराहनीय कार्य किया है, जो किसी कारणवश अपनी नियमित शिक्षा पूरी नहीं कर सके। उन्होंने विशेष प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष सम्मानित 18 मेधावी विद्यार्थियों में 12 छात्राएँ और 6 छात्र हैं। यह उपलब्धि नए भारत में नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी और उत्कृष्टता का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जब बेटियाँ अवसर प्राप्त करती हैं तो वे प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और समाज का गौरव बढ़ाती हैं। राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रारम्भिक शिक्षा मातृभाषा में उपलब्ध कराने तथा कक्षा 6 से ही कौशल विकास आधारित शिक्षा प्रारम्भ करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यवहारिक, आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि उसे जीवन कौशल, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित अटल विद्यालयों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा उपाधियों को डिजिलॉकर के माध्यम से उपलब्ध कराने की सराहना करते हुए कहा कि इससे समय, धन और संसाधनों की बचत हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों में समर्थ पोर्टल के प्रभावी उपयोग से अब तक लगभग 200 करोड़ रुपये की बचत हुई है, जो डिजिटल

सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी माता के नाम पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देगा, बल्कि माता–पिता के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को भी सुदृढ़ करेगा। राज्यपाल ने समाज में बेटा–बेटी के बीच किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने पर बल देते हुए कहा कि आज भी अनेक परिवार पुत्रों को निजी विद्यालयों में पढ़ाते हैं, जबकि पुत्रियों को सरकारी विद्यालयों में भेजते हैं। यह सोच बदलनी होगी। बेटियों को भी समान अवसर, समान संसाधन और समान शिक्षा मिलनी चाहिए।उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा किशोरियों में एचपीवी वैक्सीन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल भविष्य में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री के जनस्वास्थ्य संबंधी प्रयासों से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल बताया। अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सदैव संघर्ष किया है। बाल विवाह रोकने से लेकर सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने तक अनेक साहसिक निर्णय लिए गए। उन्होंने विद्यार्थियों से भी अन्याय, भेदभाव और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज़ उठाने तथा समाज सुधार में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की प्रगति के साथ–साथ उसकी कमियों की भी स्पष्ट चर्चा की। उन्होंने कहा कि संस्थान की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब उसकी कमजोरियों को ईमानदारी से स्वीकार कर उनका समाधान किया जाए। उन्होंने विश्वविद्यालय के सरस्वती, गंगा एवं यमुना परिसरों की स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं तथा संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपलब्ध संसाधनों का विद्यार्थियों के हित में बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यमुना परिसर में भूमि कटाव की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त करते हुए आवश्यक सुरक्षा उपाय शीघ्र किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अध्ययन केन्द्रों की समीक्षा का उल्लेख करते हुए व्यवस्थाओं में व्यापक सुधार लाने तथा प्रत्येक अध्ययन केन्द्र को अधिक उत्तरदायी और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने यह भी कहा कि स्मार्ट बोर्ड का वास्तविक उपयोग शिक्षण कार्य में होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आधुनिक संसाधनों का उपयोग विद्यार्थियों के हित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए सुनिश्चित किया जाए। अपने संबोधन के अंत में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल प्रशंसा करना नहीं, बल्कि संस्थान की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर उन्हें दूर करने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि विश्वविद्यालय परिवार पूर्ण समर्पण, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ कार्य करेगा तो उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय देश के सर्वश्रेष्ठ मुक्त विश्वविद्यालयों में अपना विशिष्ट स्थान स्थापित करेगा।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि एवं सुप्रसिद्ध लोकगायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह शिक्षा का समापन नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और जीवन मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की नई शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे आधुनिकता को अपनाएँ, परंतु अपनी संस्कृति, परंपराओं और भारतीय मूल्यों से कभी विच्छिन्न न हों। उन्होंने कहा कि प्रयागराज ज्ञान, संस्कृति और सनातन आस्था की पुण्यभूमि है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का त्रिवेणी संगम इस नगर को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशिष्ट बनाता है। यह केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत प्रतीक है।

पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने कहा कि प्रयागराज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। मौर्य और गुप्तकाल से लेकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम तक इस भूमि ने देश को अनेक महान विभूतियाँ दी हैं। इसी धरती पर अमर क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आज़ाद ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। यह भूमि सदैव त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देती रही है। उन्होंने प्रयागराज की शैक्षणिक एवं साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय इसे पूरब का ऑक्सफोर्ड कहा जाता था। महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी श्निरालाश, सुमित्रानंदन पंत सहित अनेक महान साहित्यकारों ने इसी भूमि से भारतीय साहित्य को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं और राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध किया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम भारत रत्न, स्वतंत्रता सेनानी और हिंदी के महान पुरोधा राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के नाम पर रखा गया है। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनके जीवन का प्रत्येक क्षण त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का प्रेरक उदाहरण है। राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के दृढ़ संकल्प का उल्लेख करते हुए मालिनी अवस्थी ने कहा कि विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आंदोलन के दौरान उन्होंने केवल इसलिए चीनी का त्याग कर दिया क्योंकि उसका नाम श्चीनीश् था। इसी प्रकार दांडी यात्रा के समय उन्होंने स्वयं नमक का त्याग कर राष्ट्र के प्रति अपने समर्पण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे टंडन जी के जीवन मूल्यों और चरित्र का थोड़ा–सा अंश भी अपने जीवन में उतार लें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की मुक्त एवं समावेशी शिक्षा व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय ज्ञान को सीमित परिसरों से निकालकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का एक भगीरथ प्रयास कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों, महिलाओं, श्रमिकों तथा उन लोगों को उच्च शिक्षा से जोड़ना, जो परिस्थितियोंवश नियमित शिक्षा से वंचित रह गए थे, विश्वविद्यालय का अत्यंत सराहनीय कार्य है।

उन्होंने विशेष रूप से उन माताओं, श्रमिकों, किसानों और ग्रामीण युवाओं का अभिनंदन किया जिन्होंने कठिन परिस्थितियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों और आर्थिक चुनौतियों के बीच अपनी पढ़ाई पूरी की। उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यार्थियों की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की प्रेरक गाथा है। उनका सम्मान सामान्य परिस्थितियों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों से भी अधिक है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत का अर्थ शिक्षा का अंत नहीं है। यह वह क्षण है जब विद्यार्थी पुस्तकीय ज्ञान को अपने आचरण, व्यवहार और जीवन में उतारते हैं। शिक्षा तभी सार्थक होती है जब वह व्यक्ति को विवेक, विनम्रता और मानवीय संवेदनाओं से समृद्ध बनाए। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कंप्यूटर और आधुनिक तकनीकों में दक्ष बनें, क्योंकि समय की यही आवश्यकता है। किन्तु उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई वृक्ष अपनी जड़ों से कट जाता है तो वह पहली ही आँधी में गिर जाता है। उसी प्रकार यदि युवा अपनी संस्कृति, भाषा और परंपराओं से दूर हो जाएंगे तो उनका व्यक्तित्व भी कमजोर पड़ जाएगा। आधुनिकता और भारतीय संस्कृति का संतुलन ही सफलता का वास्तविक आधार है।

उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा केवल उसके द्वारा प्रदान की गई उपाधियों से नहीं बढ़ती, बल्कि उसके पूर्व विद्यार्थियों के चरित्र, आचरण, ज्ञान, परिश्रम और सामाजिक योगदान से स्थापित होती है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी अपने व्यवहार और कार्यों से विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाने का प्रयास करे।

उन्होंने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विश्वविद्यालयों को गाँव गोद लेने, समाज से जोड़ने तथा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराने जैसी अभिनव पहल की है। यह केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि अंत्योदय और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को व्यवहार में उतारने का प्रेरक उदाहरण है। अंत में पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने सभी उपाधिधारकों एवं स्वर्ण पदक विजेताओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान, संस्कार, परिश्रम और सेवा भाव के माध्यम से समाज, राष्ट्र और मानवता की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दें तथा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का नाम देश और दुनिया में गौरवान्वित कयरें।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि ऐसे संस्कारित, चरित्रवान एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिक तैयार करना है, जो समाज और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। सच्ची शिक्षा वह है जो व्यक्ति के भीतर नैतिकता, सामाजिक संवेदनशीलता, अनुशासन, चरित्र एवं राष्ट्रभक्ति के संस्कारों का विकास करे और उसे समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनाए। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा एक सतत एवं आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है, जिसकी कोई आयु सीमा नहीं होती। निरंतर सीखते रहना ही व्यक्ति को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करता है और यही भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल संदेश भी है।

विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय है, जो समाज के उन वर्गों तक उच्च शिक्षा पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है, जो विभिन्न कारणों से नियमित शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि युवा अपने ज्ञान, कौशल और संस्कारों से अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के जीवन को आलोकित करें। चुनौतियों से घबराने के बजाय उनका साहसपूर्वक सामना करें, क्योंकि इतिहास उन्हीं लोगों का बनता है जो कठिनाइयों और असफलताओं को अवसर में बदलकर आगे बढ़ते हैं।

प्रारम्भ में कुलपति प्रो0 सत्यकाम ने स्वागत भाषण एवं विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। 21वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक अध्ययन केन्द्र देव इन्द्रावती महाविद्यालय अम्बेडकरनगर के स्नातक विज्ञान की छात्रा सुश्री रम्या सिंह को दिया गया। रम्या सिंह का पदक राज्यपाल के कर कमलों से उनकी माँ ने ग्रहण किया। सुश्री रम्या ने बी. एस. सी. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा वे समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं। उल्लेखनीय है कि सुश्री रम्या सिंह ने सर्वाधिक चार स्वर्ण पदक प्राप्त किये।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 07 टापर्स को दिए।

समस्या यह है कि क्षेत्रीय पार्टी टिकी नहीं रह पाती

वंदिता मिश्रा

प्रशांत किशोर बिहार में एक उपचुनाव लड़ेंगे, ताकि राजनीतिक जमीन का दावा किया जा सके। यह कदम उनकी नई पार्टी द्वारा विधानसभा चुनाव में पैर जमाने में विफल रहने के महीनों बाद उठाया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में, चुनावी करारी हार के बाद, ममता बनर्जी की टी.एम.सी. बिखर रही है। यू.पी. में, जहां अगले साल के चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है, सत्ताधारी भाजपा के आंतरिक झगड़े समाजवादी पार्टी की तुलना में अधिक सुर्खियां बटोर रहे हैं, जो लगभग 2017 में सत्ता गंवाने के बाद से जनता की धारणा में निष्क्रिय है। ये छवियां हाल के समय की हैं–लंबे करियर वाले क्षेत्रीय दलध्नेता शांत पड़े हैं, यहां तक कि जन सुराज जैसा नया दल, जो एक बिल्कुल नई शुरुआत के साथ आया था, उसे भी उसी अविश्वास का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय पार्टी भाजपा की आक्रामक राजनीति के सामने बिखरती हुई दिखाई दे रही है, जिसे उसके 'एक राष्ट्र' के सिद्धांत, एकरूपता की ओर बढने के प्रयास और खेल के मैदान को अपने पक्ष में मोडने के लिए डर और प्रलोभन के उपयोग का समर्थन प्राप्त है। संगठनात्मक मजबूती पर ध्यान न देने के कारण टी.एम.सी. ने अपनी महत्वपूर्ण निर्णय लेने की जगह राजनीतिक परामर्शदाता कंपनी आईपैक को सौंप दी। यह बदले में टी.एम. सी. के पुराने नेताओं द्वारा पार्टी छोडने के सिलसिले में योगदान दे रहा है। राष्ट्रीय पार्टियां भी इस क्षरण से प्रभावित हैं लेकिन क्षेत्रीय दलों की इसका सामना करने में असमर्थता अधिक स्पष्ट है। समस्या क्षेत्रीय दलों के अपने स्वयं के आत्मसमर्पण में भी निहित है, जो भाजपा के साथ उनके मुकाबले में अब उन्हें परेशान कर रही है। हाल ही में यू.पी. का दौरा करने पर इस बात से गहरा धक्का लगा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा, 9 साल से अधिक समय से सत्ता से बाहर होने के बावजूद, अभी भी अपनी पुरानी छवि की कैदी बनी हुई है। अखिलेश को अभी भी व्यापक रूप से परिवार से घिरे नेता के रूप में देखा जाता है, सपा को उस मुस्लिम–यादव पार्टी के रूप में देखा जाता है, जो सत्ता में रहने पर कानूनविहीनता की अध्यक्षता करती है। ये असाधारण समय है, जब भाजपा विपक्ष की राजनीति के लिए जगहों को सिकोड़ रही है। लेकिन अन्य क्षेत्रीय दलों की तरह, सपा इसके जवाब में एक असाधारण राजनीति पेश करने में असमर्थ रही है। यह सामान्य राजनीति के पैमाने पर भी कमतर साबित हुई है। इसने कोई नया राजनीतिक या आध्थक मॉडल सामने नहीं रखा। जमीन पर, एम.वाई (मुस्लिम–यादव) से पी.डी.ए. (पिछड़ा, दलित, अनुसूचित जातिध्अल्पसंख्यक) की राजनीति में इसके घोषित बदलाव को एक पुराने, बहिष्कृत जातिगत अंकगणित के रूप के रूप में देखा जाता है। यह एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ है, जो एक स्तर पर व्यापक सामाजिक इंजीनियरिंग द्वारा इसे मात देता है और दूसरे स्तर पर 'सबका साथ...' का दावा करता है। भाजपा द्वारा तय नहीं की गई शर्तों पर भाजपा से लडने की असमर्थता, परिवार की राजनीति, एक जाति–एक समुदाय के जाल से बाहर निकलने में असमर्थता के अलावा, उन क्षेत्रीय दलों में आम है जो भाजपा के पक्ष में फीके पड़ते या उसकी ओर ड्क्षखचते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अर्जुन कपूर ने पामेला सेरेना से कही दिल की बात, बोले- मैं शादी के लिए तैयार हूं

> दरअसल, अर्जुन ने मजाक-मजाक में कहा कि वह शादी के लिए बिल्कुल तैयार हैं। अर्जुन कपूर ने बताया कि वह शो में पामेला के कलेश कॉर्नर सेगमेंट को बहुत पसंद करते हैं

मशहूर बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर हाल ही में रियलिटी शो लॉक अप सच या सजा में मेहमान बनकर पहुंचे। शो के दौरान अर्जुन कपूर ने कुछ ऐसा कह दिया, जिसे सुनकर शो की कंटेस्टेंट पामेला सेरेना शर्मा से लाल हो गईं। दरअसल, अर्जुन ने मजाक–मजाक में कहा कि वह शादी के लिए बिल्कुल तैयार हैं। अर्जुन कपूर ने बताया कि वह शो में पामेला के कलेश कॉर्नर सेगमेंट को बहुत पसंद करते हैं और इसके फैन हैं। बातचीत के दौरान अर्जुन ने पामेला से मजाक में कहा, मैं अभी भी जवान हूं और शादी के लिए तैयार हूं। यह सुनते ही पामेला हैरान रह गईं और शरमा गईं। इस बार इस रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इस सीजन में आकांक्षा चौधारी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर और वरुण यादव जैसे जाने–माने चेहरे नजर आ रहे हैं। इस दूसरे सीजन में कुल 14 कंटेस्टेंट्स हैं, जो 6 हफ्तों तक लॉक–अप में रहेंगे। यहां रहने, खाने और सुविधाओं के लिए उन्हें टास्क जीतकर पैसे कमाने होते हैं। इस शो का पहला सीजन साल 2022 में आया था। पहले सीजन को कंगना रनौत ने होस्ट किया था। उसमें करण कुंद्रा जेलर बने थे और मशहूर कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी उस सीजन के विजेता रहे थे।

जिस शो में गई, वहीं अफेयर रहा...शिल्पा शिंदे ने शिवांगी जोशी के कैरेक्टर पर उछाला कीचड़, समर्थन में उतरे कई सेलेब्स

एकता कपूर का रियलिटी शो लॉकअप 2 इन दिनों लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहे इस शो में आए दिन नए विवाद और ड्रामे देखने को मिल रहे हैं। हाल ही में बिग बॉस 11 की विजेता और टीवी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने शो में एंट्री की है। शो में आने के बाद से ही वह कई कंटेस्टेंट्स और सेलेब्स के साथ तीखी नोंकझोंक करती नजर आ रही हैं। पहले उनका विवाद राम कपूर और सुनीता के साथ था और अब वो हाथ धो कर शिवांगी जोशी के पीछे पड़ गई हैं। शिल्पा शिंदे को शो का कंट्रोलर बना दिया गया है और उन्होंने इसका फायदा उठाते हुए शिवांगी पर बहुत तरह की पाबंदिया लगाई हैं। इतना ही नहीं उन्होंने शिवांगी के एकमात्र दोस्त हर्षद से भी बात करने को मना कर दिया है, इस फैसले के बाद शिवांगी काफी इमोशनल हो गईं और रोने लगीं। इतना ही नहीं अब हाल ही में शिल्पा ने शिवांगी ने कैरेक्टर और कीचड़ उछाला है। इस वजह से सोशल मीडिया पर शिल्पा को बहुत ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में आए एक एपिसोड के दौरान शिल्पा श्रेया से बात करती हुई दिखाई देती हैं और कहती हैं कि जल्द ही उनका और शिवांगी का आमना–सामना होगा। शिल्पा ने बोला कि जब भी शिवांगी मेरे सामने आती है तो मेरी तारीफ करती है लेकिन पीठ पीछे वो मुझे बिलकुल पसंद नहीं करती। इसके बाद श्रेया ने जवाब दिया कि वो आप जैसे लोगों से दोस्ती नहीं करेगी। इसके बाद शिल्पा ने शिवांगी के बारे में जो कहा वो बहुत गलत था। शिल्पा ने कहा कि ओह हां, हम बहुत बुरे हैं और वो बहुत अच्छी है। मुझे भी ऐसे लोगों के सामने आना पसंद नहीं है। इस शो में मैं उसे अच्छे से ठीक करके जाउंगी। बात यहां खत्म नहीं हुई शिल्पा ने आगे कहा कि ये जितने शो में गई है, उस शो में उस लड़के के साथ अफेयर रहा है। जैसे ही शो की यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो शिल्पा शिंदे को बहुत ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। किसी ने लिखा कि, शिल्पा और कितना नीचे गिरेगी ? तो किसी ने फराह खान से अपील की, की शिल्पा को इसका जवाब जरूर देना चाहिए। शिवांगी को पता होना चाहिए, उसके पीठ पीछे क्या बातें हो रही हैं।

किस महीने से शुरू होगा बिग बॉस 20 ? प्रतिभागियों को लेकर आया ये अपडेट

> न ही कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है। ओटीटी पर प्रसारित हो रहे कई रियलिटी शोज की लोकप्रियता और चर्चाओं के बीच अब दर्शकों की नजर टीवी के सबसे चर्चित रियलिटी शो यानी बिग बॉस सीजन **20** पर है।

चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस के 20वें सीजन का दर्शक इंतजार कर रहे हैं। इसे लेकर अपडेट आया है। जानिए कब से शुरू हो सकता है यह शो? हाई वोल्टेज ड्रामा, लड़ाई–झगड़े, विवादों और इमोशंस से भरपूर रियलिटी शो बिग बॉस की लोकप्रियता दर्शकों के बीच अलग ही है। इसके अब तक 19 सीजन आ चुके हैं। अब दर्शकों को बिग बॉस 20 का इंतजार है। एक बार फिर सलमान खान बतौर होस्ट शो की कमान संभालते दिखेंगे। बिग बॉस को लेकर नया अपडेट आया है। बेसब्री से शबिग बॉस 20श का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए नया अपडेट आया है। अक्तूबर में यह शो दस्तक दे सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शबिग बॉस 20श को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। मेकर्स शो को अक्तूबर 2026 के आखिर तक प्रसारित करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, फिलहाल शो कब शुरू होगा, इसे लेकर कोई तारीख सामने नहीं आई है। न ही कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है। ओटीटी पर प्रसारित हो रहे कई रियलिटी शोज की लोकप्रियता और चर्चाओं के बीच अब दर्शकों की नजर टीवी के सबसे चर्चित रियलिटी शो यानी बिग बॉस सीजन 20 पर है। इस बार कौन–से प्रतिभागी शो का हिस्सा बनेंगे, इसे लेकर भी अटकलें चल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार भी होस्ट के रूप में दर्शक सलमान खान को देखेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि बिग बॉस 20 अक्तूबर के आखिर तक प्रसारित होना शुरू हो सकता है। अगर किसी वजह से देर हुई तो नवंबर के पहले सप्ताह में यह शो ऑन एयर हो सकता है। हालांकि, चौनल या निर्माताओं या अन्य किसी की तरफ से इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। शो के प्रतिभागियों के नाम की भी चर्चा शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिन सेलेब्स का नाम चल रहा है, उनमें सैंटी शर्मा, फसल शेख, अंजलि अरोड़ा, रिद्धिमा गुप्ता, जन्नत जुबैर, अरबाज पटेल, भाव्या सिंह, भागीरथ भट्ट, रूरु ठाकुर, उर्फी जावेद, आवेज दरबार, तुषार करवार आदि नाम शामिल हैं। हालांकि देखना होगा कि मेकर्स की तरफ से जारी प्रतिभागियों की आधिकारिक सूची में कौन जगह बना पाता है।

10 साल बाद निक जोनास ने शेयर किया अपना पहला डीएम, इसी मैसेज से शुरू हुई थी प्रियंका चोपड़ा संग लव स्टोरी

अपनी मेहनत के बलबूते पर प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक बहुत नाम कमाया है। प्रियंका चोपड़ा को ग्लोबल आइकॉन बोला जाता है। उनकी प्रोफेशनल लाइफ के साथ–साथ उनकी पर्सनल लाइफ भी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। आज भी प्रियंका और अमेरिकी सिंगर निक जोनस की प्रेम कहानी आज भी फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी रहती है। हाल ही में हुए एक पॉडकास्ट के दौरान निक और प्रियंका ने पहली बार अपने रिश्ते से जुड़े कुछ अनसुने किस्से शेयर किए, जो बहुत ही कम लोगों को पता है। सबसे पहले बातचीत के दौरान निक ने वो मैसेज दिखाया जो उन्होंने प्रियंका को किया था और यहीं से दोनों की लव स्टोरी की शुरुआत हुई थी। तो चलिए जानते हैं– पॉडकास्ट के दौरान निक जोनास ने अपनी और प्रियंका चोपड़ा की पहली ऑनलाइन बातचीत का स्क्रीनशॉट भी दिखाया। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच बातचीत की शुरुआत कैसे हुई। निक के मुताबिक, उनके बड़े भाई केविस जोनास ने उन्हें प्रियंका के लोकप्रिय टीवी शो क्वांटिको के बारे में बताया था। इसके बाद निक की नजर एक बिलबोर्ड पर शो के पोस्टर पर पड़ी। प्रियंका से प्रभावित होकर वह घर पहुंचे और बिना देर किए उन्हें इंस्टाग्राम पर पहला डायरेक्ट मैसेज भेज दिया। यही मैसेज आगे चलकर दोनों की दोस्ती और फिर प्यार की शुरुआत बना। निक जोनास ने बताया कि एक दिन सनसेट बुलेवार्ड से गुजरते समय उनकी नजर प्रियंका चोपड़ा के एक बड़े बिलबोर्ड पर पड़ी। इसके बाद उनके मन में प्रियंका से संपर्क करने का विचार आया। उन्होंने तुरंत जाकर यह देखा कि क्या प्रियंका उन्हें ट्विटर पर फॉलो करती हैं। यह देखकर वह हैरान रह गए कि प्रियंका पहले से ही उन्हें फॉलो कर रही थीं। इसके बाद निक ने बिना कोई देर किए उन्हें अपना पहला मैसेज भेज दिया, जिसके आगे जाकर दोनों के प्यार की शुरुआत की। पॉडकास्ट के दौरान निक ने खुद उस चौट का स्क्रीनशॉट सबके सामने दिखाया। इसमें निक ने प्रियंका को लिखा था की हैलो, मैंने कुछ लोगों से सुना है कि हमें मिलना चाहिए। मैं भी उन लोगों की बात से पूरी तरह सहमत हूं। क्या आप जल्द ही कभी लॉस एंजिल्स आ रही हैं ? इसके बाद प्रियंका ने लिखा, हे, ग्राहम ने मुझे तुम्हारे बारे में काफी कुछ बताया है। चलो फोन पर टेक्स्ट करते हैं, वो ज्यादा प्राइवेट रहेगा क्योंकि मेरी टीम भी इस सोशल मीडिया अकाउंट को एक्सेस कर सकती है। पॉडकास्ट के दौरान इस चौट को पढ़ते हुए दोनों जोर–जोर से हसने लगे।

'द ओडिसी' के टिकट काफी मंहगे, बड़े शहरों में इतने हजार में देख पाएंगे फिल्म

क्रिस्टोफर नोलन की मच अवेटेड फिल्म 'द ओडिसी' आज थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है। 17 जुलाई को रिलीज हुई ल्म 'द ओडिसी' की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है और टिकट की कीमतें चौंकाने वाली हैं। देशभर के सिनेमाघरों में 'द ओडिसी' को उसी तरह रिलीज किया जा रहा है जैसे बड़ी इवेंट फिल्मों को किया जाता है। मैट डेमन स्टारर यह फिल्म नोलन की पिछली फिल्म 'ओपेनहाइमर' से भी बड़ी ओपनिंग कर सकती है। 'ओपेनहाइमर' ने भारत में 2023 में 131.73 करोड़ का कलेक्शन किया था। भारत में 'द ओडिसी' के टिकट 8 जून से ही बिकने शुरू हो गए थे, यानी रिलीज से एक महीने पहले। जहां कुछ जगहों पर सबसे सस्ते टिकट 150 के आसपास हैं, वहीं प्रीमियम रिक्लाइनर और IMAX टिकट काफी महंगे हैं। पुणे के प्छव मेगाप्लेक्स में रिक्लाइनर सीट की कीमत 3,400 है। मुंबई के लोअर परेल स्थित PVR ICON, फीनिक्स पैलेडियम में यही सीट 3,100 में मिल रही है। वहीं दिल्ली–एनसीआर के PVR IMAX (प्रिया) में टिकट 2,500 तक पहुंच गए हैं।

बेंगलुरु में सिनेपोलिस नेक्सस शांतिनिकेतन में एक टिकट 1,950 का है, जबकि प्छव साउथ सिटी मॉल में टिकट 1,240 तक मिल रहा है। कुछ जगहों पर फिल्म के शो सुबह 8:20 बजे से शुरू हो रहे हैं, तो वहीं आखिरी शो रात 11:55 बजे तक चल रहे हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट है और एडवांस बुकिंग भी तेजी से हो रही है। बता दें कि 'द ओडिसी' पूरी तरह IMAX कैमरों से शूट की गई पहली फिल्म है और वर्ल्ड प्रीमियर के बाद इसे अच्छे रिव्यू भी मिल चुके हैं। इस फिल्म में मैट डेमन, रॉबर्ट पैटिनसन, टॉम हॉलैंड, जेंडया, ऐनी हैथवे, चार्लीज थेरॉन और ट्रैविस स्कॉट जैसे सितारे प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। द ओडिसी दुनिया भर में 18 जुलाई को और भारत में एक दिन पहले रिलीज हो रही है।

आयरन से भरपूर ये 7 फूड्स, शरीर से दूर करेंगे खून की कमी

शरीर को स्वस्थ आयरन भी एक आवश्यक पोषक तत्व है। इसकी कमी होने के कारण स्वास्थ्य प्रभावित होता है। आयरन आपके शरीर में हीमोग्लोबिन का

स्तर बढ़ाता है। यह सांस के साथ खींची गई ऑक्सीजन को पूरे शरीर में पहुंचाता है इसलिए यह स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक होता है। शरीर में आयरन की कमी के कारण एनीमिया हो सकता है जिससे आपके शरीर में खून की कमी होने लगती है। ऐसे में आप अपनी डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके आयरन की कमी पूरी कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते

हैं ऐसे फूड्स जो शरीर में से खून की कमी पूरी करेंगे.

...

अंजीर

अंजीर एक ऐसा मीठा फल होता है जिसमें आयरन, फोलेट और विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करने से शरीर में रक्त का संचार सुधरता है और शरीर में से खून की कमी पूरी होती है।

पालक

पालक में आयरन, फोलेट और विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। यह पोषक तत्व शरीर में हीमोग्लोबिन का उत्पादन करने में मदद करते हैं। ऐसे में आप पालक को अपनी डाइट में शामिल करके कई सारे बीमारियों से दूर रह सकते हैं।

शकरकंदी

शकरकंदी का सेवन करके आप शरीर में से आयरन और विटामिन–सी की कमी पूरी कर सकते हैं। इससे शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है और रक्त संचार भी सुधरता है। सलाद के तौर पर आप इसे अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

रेड मीट

इसमें विटामिन–ए, विटामिन–डी, जिंक, आयरन और पौटेशियम काफी मात्रा में पाया जाता है। शरीर में से आयरन की कमी दूर करने के लिए आप इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। रेड मीट आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में भी मदद करता है।

फल और सब्जियां

हीमोग्लोबिन का स्तर शरीर में आप बढ़ाने के लिए फलों और सब्जियों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। सब्जियों में आयरन काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। लाल रगं के फलों को आप अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

अमरुद

इसमें भी आयरन और विटामिन–सी की काफी अच्छी मात्रा पाई जाती है। इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाकर भी आप शरीर में से आयरन की कमी को पूरा कर सकते हैं। कोशिश करें कि अमरुद पका हुआ ही हो। पका हुआ अमरुद आपके शरीर के लिए फायदेमंद साबित होगा।

अंडे

अंडे में आयरन, विटामिन–बी12 और फोलेट काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। इन सब पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण अंडा भी आपके शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी पूरी होगी।

क्या आप भी देते हैं बच्चों को ग्रीन टी तो पहले जान लें ये जरूरी बातें

सुबह–सुबह अपने दिन की शुरुआत बहुत से लोग ग्रीन टी के साथ करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को बीमारियों से बचाने में भी मदद करते हैं। इसके अलावा ग्रीन टी का सेवन करने से मेटाबॉल्जिम का स्तर बढ़कर आपका वजन कम करने में भी मदद करती है। कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याओं में भी इसका सेवन बेहद फायदेमंद साबित होता है। वहीं कुछ पेरेंट्स अपने बच्चों को ग्रीन टी पिलाते हैं। लेकिन क्या बच्चे को ग्रीन टी देना सही है उन्हें किस उम्र में आप इसका सेवन करवा सकते हैं आज आपको इसके बारे में बताएंगे। तो चलिए जानते हैं....

क्या बच्चों को ग्रीन टी देना रहेगा फायदेमंद?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, यदि आपके बच्चे को कैफीन का सेवन करके कोई परेशानी होती है तो उसे ग्रीन टी न दें। इसमें कुछ मात्रा में कैफीन मौजूद होती है जो आपके शरीर को सारा दिन एक्टिव रखने में मदद करती है। वहीं यदि आपके बच्चे को हाइपरटेंशन या फिर नींद से जुड़ी कोई समस्या है तो भी उसे ग्रीन टी बिल्कुल न दें। इसके अलावा कम मात्रा में ही बच्चे को ग्रीन टी पिलाएं।

बच्चों को ग्रीन टी देने से क्या–क्या फायदे होंगे

पाचन रहेगा स्वस्थ

ग्रीन टी पाचन से जुड़ी समस्याओं के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर के मेटाबॉल्जिम का स्तर बढ़ाने में मदद करते हैं इससे शिशु का पाचन भी बेहतर होता है। इसके अलावा सही मात्रा में यदि बच्चों को ग्रीन टी पिलाई जाए तो उन्हें पेट से जुड़ी समस्याओं से काफी आराम मिलता है।

दांतों में नहीं लगेगा कीड़ा

इसके अलावा यह शिशु के दांतों के लिए बेहद लाभकारी हो सकती है। इसमें पाए जाने वाले गुण कीड़ा लगने की समस्या का खतरा कम करते हैं। वहीं बैक्टीरिया से लड़ने और मुंह से बदबू आने जैसी समस्याएं भी ग्रीन टी पीने से दूर रहती हैं।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

ग्रीन टी देने से शिशु की इम्यूनिटी मजबूत होती है। इसमें पाए जाने वाले एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट्स बच्चे को बाहरी इंफेक्शन से बचाते हैं। यदि उन्हें सर्दी जुकाम रहता है तो भी आप बच्चों को इसका सेवन करवा सकते हैं। ग्रीन टी पीने से शिशु में इंफेक्शन का प्रभाव भी कम होगा।

कैसे तैयार करें शिशु की ग्रीन टी?

खांसी जुकाम जैसी समस्या में शिशु को आप ग्रीन टी पिला सकते हैं। अदरक और नींबू मिक्स करके आप उन्हें इसका सेवन करवा सकते हैं। वहीं थोड़ी सी मिठास लाने के लिए आप इसमें सौंफ और शहद भी मिला सकते हैं परंतु कम मात्रा में ही बच्चों को इसका सेवन करवाएं। यदि आप रोज बच्चे ग्रीन टी दे रहे हैं तो एक बार एक्सपर्ट्स की सलाह जरुर लें।

नोट– इसके अलावा अगर आपके बच्चे को कोई स्वास्थ्य समस्या है तो भी डॉक्टर से पूछकर ही उसे ग्रीन टी पिलाएं।

बच्चे के चिड़चिड़े स्वभाव का कारण हो सकती है इस विटामिन की कमी, जानिए कैसे करें पूरी?

कई बार बच्चे बहुत ही चिड़चिड़े स्वभाव के हो जाते हैं। छोटी–छोटी बात पर गुस्सा करने लगते हैं लेकिन अगर आपके बच्चों को नेचर भी ऐसा हो रहा है तो आपको थोड़ा सावधान होना चाहिए। क्योंकि बच्चे के बदलते स्वभाव का कारण विटामिन–बी12 की कमी भी हो सकती है। दिमाग का अच्छी तरह से विकास होने के लिए विटामिन काफी आवश्यक है। इसकी कमी के कारण बच्चों का व्यवहार बदलने लगता है। वहीं एक्सपर्ट्स की मानें तो बच्चों के खाने–पीने में कमी और कुछ जेनेटिक कारणों से बच्चों में इस विटामिन की कमी हो सकती है। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि आप उनके शरीर में से विटामिन–बी12 की कमी कैसे पूरी कर सकते हैं....

आखिर क्यों होते हैं बच्चे चिड़चिड़े?

बच्चों का चिड़चिड़ा स्वभाव विटामिन–बी12 की कमी का लक्षण हो सकता है क्योंकि यह नर्वस सिस्टम को स्वस्थ रखने और उसके फंक्शन को सही बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा यह सेरोटोनिन और नॉरपेनेफ्रिन

जैसे न्यूरोट्रांसमीटर के उत्पाद में भी अहम भूमिका निभाता है जिससे आपका मूड़ और व्यवहार नियंत्रित रहते हैं। शरीर में इसकी कमी होने से न्यूरोलॉजिकल सिस्टम प्रभावित होता है जिसके कारण बच्चे चिड़चिड़े और उनके मूड़ में बदलाव हो सकता है।

विटामिन–बी 12 की कमी कैसे करें दूर

डाइट का रखें ध्यान

इस विटामिन की कमी पूरी करने के लिए आप बच्चों को विटामिन–बी 12 से भरपूर फूड्स का सेवन करवाएं। चिकन, मीट, मछली, पोल्ट्री, अंडे और डेयरी प्रोडक्ट्स आप बच्चों को खिलाएं। इसके अलावा अगर आपका बच्चा शाकाहारी है तो उसके शरीर में विटामिन–बी12 की कमी हो सकती है। ऐसे में उन्हें आप फोर्टिफाइड अनाज, न्यूट्रिशनल यीस्ट और फोर्टिफाइड प्लांट बेस्ड दूध से बने उत्पाद जैसे सोया और बादाम मिल्क, टोफू खिलाएं। इसके अलावा आप बच्चों

को कुछ फल देकर भी विटामिन–बी12 की कमी पूरी कर सकते हैं।

मेडिकल कंडीशन्स पर भी दें ध्यान

इसके अलावा विटामिन–बी12 की कमी एनीमिया या फिर खराब लाइफस्टाइल के कारण भी हो सकती है। ऐसे में एक बार डॉक्टर से सलाह लेकर फिर ही जांच करवाएं। इसके बाद अच्छे से डॉक्टर को दिखाकर ही दवाई लें।

रेगुलर करवाएं बच्चे का चेकअप

इसके अलावा बच्चों को साल में कम से कम एक बार रेगुलर चेकअप जरुर करवाएं। इससे यदि आपके बच्चे किसी बीमारी से पीड़ित होंगे तो तुरतं पता चला जाएगा।

दें जरुर सप्लीमेंट्स

अगर परेशानी ज्यादा है तो एक बार एक्सपर्ट्स से पूछकर बच्चे को आप विटामिन–बी12 के सप्लीमेंट्स भी दे सकते हैं।

बिंदी लगाने से माथे पर होती है एलर्जी, तो इन नेचुरल चीजों के इस्तेमाल से मिलेगा फायदा

भारतीय महिलाओं के श्रृंगार में बिंदी भी शामिल है और इसका काफी महत्व होता है। तैयार होने के दौरान महिलाएं कभी भी बिंदी लगाना नहीं भूलती है। वहीं जब कोई भी महिला बिंदी लगा लेती है, तो उसकी सुंदरता में चार चांद लग जाते हैं। हालांकि कई महिलाओं को बिंदी से एलर्जी भी होती है। ऐसे में जब वह बिंदी लगाती हैं, तो उनके माथे पर खुजली होने लगती है। बता दें कि पैरा टर्शियरी ब्यूटिल फिनॉल केमिकल का इस्तेमाल बिंदी को चिपकाने के लिए किया जाता है। इसके साथ ही कई महिलाओं की त्वचा काफी ज्यादा सेंसिटिव होती है। जिसके कारण यह उन्हें सूट नहीं करता है, और उन महिलाओं को एलर्जी की समस्या हो जाती है। इसी वजह के चलते कई महिलाएं बिंदी लगाना बंद कर देती हैं। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल आपको बिंदी लगाने से पहले करना है। इन तरीकों को अपनाकर आप इस एलर्जी से निजात पा सकती हैं।

मॉइश्चराइजर लगाएं

कई बार बिंदी लगाने पर एलर्जी होने का कारण स्किन का रूखापन भी हो सकता है। ऐसे में आपको एलर्जी से बचने के लिए दिन में तीन से चार बार माथे पर मॉश्चराइजर लगाना चाहिए। जिससे कि बिंदी लगाने वाली जगह पर नमी बनी रहे।

एलोवेरा जेल

रोजाना रात में सोने से पहले अगर आप माथे पर एलोवेरा जेल लगाती हैं। तो इससे आपकी स्किन को एलर्जी से लड़ने की क्षमता मिलती है। क्योंकि एलोवेरा में एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–सेप्टिक गुण पाए जाते हैं। जो आपकी त्वचा को एलर्जी से बचाते हैं।

माथे पर लगाएं कुमकुम

अगर इन सारे तरीकों के बाद भी आपकी एलर्जी कम नहीं हो रही है, तो आप कुमकुम वाली बिंदी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। कुमकुम वाली बिंदी को चिपकाना नहीं पड़ता है और यह त्वचा पर कोई इफेक्ट भी नहीं डालता है।

नारियल तेल

माथे पर बिंदी वाली जगह पर नारियल तेल से रोजाना 2 मिनट मसाज करें। क्योंकि नारियल तेल को त्वचा के लिए बेस्ट मॉश्चराइजिंग एजेंट माना जाता है। इससे आपकी स्किन में नमी आती है और बिंदी की एलर्जी से भी राहत मिलेगी।

संक्षिप्त

विश्व कप के लिए भारतीय महिला टीम घोषित, सलीमा बनीं कप्तान, किन खिलाड़ियों को मिला मौका?

नई दिल्ली,एजेंसी। हॉकी इंडिया ने एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान सलीमा टेटे को सौंपी गई है। अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलित मिश्रण वाली यह टीम अगस्त में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप में चुनौती पेश करेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच स्योर्ड मारिजने ने चुनी गई टीम को संतुलित बताया है। विश्व कप 15 से 30 अगस्त के बीच खेला जाएगा, जिसकी मेजबानी नीदरलैंड और बेल्जियम संयुक्त रूप से करेंगे। बंगलूरू के राष्ट्रीय शिविर में तैयारी कर रही इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी जगह मिली है। इन खिलाड़ियों ने हालिया अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में प्रभावित किया है। पिछले महीने न्यूजीलैंड में खेले गए एफआईएच नेशंस कप में भारत ने बिना कोई मैच गंवाए खिताब अपने नाम किया था। मुख्य कोच स्योर्ड मारिजने ने कहा कि टीम को बड़े टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए संतुलित तरीके से चुना गया है। उनके मुताबिक खिलाड़ियों ने विश्व कप से पहले कड़ी मेहनत की है और उन्हें इस टीम की क्षमता पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ सबसे बड़े मंच पर खेलने को लेकर टीम उत्साहित है। भारतीय टीम को पूल डी में चीन, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है। टीम अपने सभी ग्रुप मुकाबले नीदरलैंड के एमस्टेलवीन स्थित वागेनर हॉकी स्टेडियम में खेलेगी। भारत अपने अभियान की शुरुआत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगा। इसके बाद 18 अगस्त को दक्षिण अफ्रीका और 20 अगस्त को इंग्लैंड से भिड़ेगा।

सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधू, चोट के कारण क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं ले सकीं ओकुहारा

टोक्यो,एजेंसी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शुक्रवार को जापान ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला नोजोमी ओकुहारा से होना था, लेकिन वह चोट के कारण मैच में हिस्सा नहीं ले सकीं। यह इस सीजन में सिंधू का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले वह मलयेशिया सुपर 1000 और ऑस्ट्रेलिया सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। इसके साथ ही, 2023 डेनमार्क ओपन के बाद यह उनका पहला सुपर 750 सेमीफाइनल है। 31 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू की निगाहें इस सीजन का पहला खिताब जीतने पर होंगी। सेमीफाइनल मुकाबले में उनका सामना टोक्यो ओलंपिक चौंपियन और दुनिया की विश्व की नंबर 4 चीनी खिलाड़ी चेन युफेई से होगा। सिंधू और चेन युफेई के बीच अब तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला है। हालांकि, हेड–टू–हेड रिकॉर्ड में सिंधू उनसे 6–8 से पीछे हैं। सिंधू को युफेई के खिलाफ पिछले पांच मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सेमीफाइनल में जीत न केवल सिंधू के हारने के इस सिलसिले को खत्म करेगी, बल्कि लगभग तीन साल में उनके पहले सुपर 750 फाइनल में पहुंचने का रास्ता भी साफ होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में अब भारत की एकमात्र दावेदार हैं। सिंधू ने प्री क्वार्टर फाइनल मैच में विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान युए को सिर्फ 35 मिनट में हराया था। उन्होंने हान को सीधे गेम में 21–16, 21–14 से मात देते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया था। इस साल 28 वर्षीय चेन युफेई ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीता, जबकि थाईलैंड और मलयेशिया में हुए सुपर 500 टूर्नामेंट में फाइनल में भी जगह बनाई थी। इसके अलावा, युफेई ने सिंगापुर और भारत में खेले गए सुपर 750 टूर्नामेंट में भी सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। वह मलयेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड जैसे प्रतिष्ठित सुपर 1000 टूर्नामेंट में भी अंतिम चार में पहुंची थीं।

1 अक्तूबर से लागू होगा नया नियम, आरबीआई का बड़ा फैसला

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों की वसूली प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि वसूली के दौरान किसी असाधारण परिस्थिति में बैंक के स्वामित्व में आई अचल संपत्ति को मूल उधारकर्ता (डिफॉल्टर) या उससे जुड़े किसी व्यक्ति अथवा संस्था को दोबारा नहीं बेचा जा सकेगा। यह नया नियम 1 अक्तूबर 2026 से लागू होगा। इस व्यवस्था के बाद ऐसे डिफॉल्टर अपनी जब्त की गई संपत्ति को बैंक से वापस नहीं खरीद पाएंगे। आरबीआई ने अपने दिशा–निर्देशों में कहा है कि सामान्य परिस्थितियों में बैंकों का काम गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों का मालिक बनना नहीं है। बैंक मुख्य रूप से ऋण देने और वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए होते हैं। हालांकि, जब कोई उधारकर्ता लंबे समय तक ऋण नहीं चुकाता और उसका खाता गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) में बदल जाता है, तब बैंक कानूनी या अनुबंध संबंधी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए गिरवी रखी गई अचल संपत्ति अपने कब्जे में ले सकते हैं। यह कदम बकाया राशि की वसूली की प्रक्रिया का हिस्सा होता है। आरबीआई का कहना है कि जब्त की गई गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रबंधन को लेकर स्पष्ट और एक समान व्यवस्था जरूरी थी।

वाकई गंभीर और कोहली के बीच नहीं हो रही बातचीत? अटकलों पर क्या बोले बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक

कार्डिफ,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और मुख्य कोच गौतम गंभीर के बीच अनबन की उड़ती अफवाहों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। कोटक ने साफ किया है कि दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रहती है और उनके बीच कोई समस्या नहीं है। कोटक ने यह भी कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि आखिर ऐसी अफवाहें कहां से आ रही हैं। पिछले साल कोहली द्वारा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद से ही उनके और मुख्य कोच गंभीर के बीच के रिश्तों को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं। इसे हवा तब मिली जब इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले गए पहले वनडे मैच की पूर्व संध्या पर अभ्यास सत्र के दौरान कोहली और गंभीर को आपस में बातचीत करते नहीं देखा गया। सीरीज के इस शुरुआती मैच से पहले जब कोहली बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे, तब गंभीर चीजों को काफी करीब से देख जरूर रहे थे, लेकिन वे बातचीत के लिए कोहली के पास नहीं गए। कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे मैच के बाद कोटक ने इन सभी अफवाहों को बकवास करार दिया। उन्होंने बताया कि मैच के दौरान दोनों के बीच कम से कम 10 बार बातचीत हुई थी। कोटक ने कहा, विराट और गौतम ने दूसरे मैच में ही आपस में कम से कम 10 बार बात की होगी। मुझे नहीं लगता कि उनके बीच संपर्क स्थापित कराने के लिए किसी माध्यम की जरूरत है। भारतीय बल्लेबाजी कोच ने यह भी कहा कि जब कोहली अपनी लय में हों और मैदान पर खेल रहे हों, तो उन्हें टोकना नहीं चाहिए। कोटक ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो एक बल्लेबाजी कोच के तौर पर मेरा मानना है कि जब तक विराट खुद कुछ महसूस न करें या कोई कमी न देखें, तब तक उनके खेल में दखल नहीं देना चाहिए। वे जिस तरह बल्लेबाजी करते हैं, हमें उसमें ज्यादा कुछ नहीं बोलना चाहिए। विराट ने बल्लेबाजी पर जाने से पहले मुझसे मुख्य रूप से अपने फुटवर्क और कुछ अन्य चीजों को लेकर सवाल किए थे। इसके बाद नेट्स पर अभ्यास खत्म करके भी उन्होंने बात की। इसके अलावा जो अफवाहें आप कह रहे हैं, मुझे नहीं पता कि वे कहां से आती हैं, लेकिन आ ही जाती हैं। कोटक ने कहा कि जब कोहली मैदान पर थे, तो वे गंभीर और ड्रेसिंग रूम को खेलने की स्थितियों के बारे में लगातार संदेश भेजते रहे। कोटक ने एक उदाहरण देते हुए यह भी बताया कि मैच के दौरान भी कोहली और गंभीर के बीच तालमेल बना हुआ था। उन्होंने कहा, जब विराट बल्लेबाजी कर रहे थे, तब उन्होंने वहां से हमारे लिए एक संदेश भेजा था और मुख्य कोच गंभीर को भी बताया था कि शॉर्ट गेंदें पिच पर रुक कर आ रही हैं, ताकि हमें खेल की स्थिति का अंदाजा मिल सके। कोहली इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में सस्ते पर आउट हो गए थे, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। कार्डिफ वनडे में कोहली ने 66 गेंदों पर 65 रन बनाए और अच्छी लय में दिखे। उनके अलावा श्रेयस अय्यर ने भी अर्धशतक लगाया, जबकि बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाए और भारत सिर्फ 233 रन ही बना सका। जो रूट की नाबाद 99 रनों की पारी की बदौलत इंग्लैंड ने मैच जीता और सीरीज में 1–1 से बराबर कर ली। दोनों टीमों के बीच अब सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 10 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

भारतीय टीम प्रबंधन क्या बना रहा दबाव, कोच ने स्पष्ट किया रुख

कार्डिफ,एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे मैच के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है। इस बीच, भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने इन सभी चर्चाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। कोटक ने साफ किया कि टीम प्रबंधन की तरफ से रोहित शर्मा पर कोई दबाव नहीं है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का अंतरराष्ट्रीय करियर अब अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। भारतीय चयन समिति मौजूदा इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वनडे टीम में आगे मौका देने के पक्ष में नहीं दिख रही है, जिसका मतलब है कि वह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की योजनाओं का हिस्सा नहीं होंगे। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के बाद जब बल्लेबाजी कोच कोटक से सवाल पूछा गया कि क्या भारतीय टीम अब रोहित से आगे बढ़कर यशस्वी जायसवाल या ईशान किशन को ओपनिंग में मौका देने पर विचार कर रही है? तो उन्होंने रोहित का बचाव करते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि रोहित शर्मा जैसे बड़े खिलाड़ी पर किसी भी तरह का दबाव हो सकता है। वह इतने बेहतरीन खिलाड़ी हैं कि उन पर इन चीजों का असर नहीं पड़ता। हां, शुरुआती दो मैचों में उनके बल्ले से रन नहीं निकले, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दूसरे मैच में भी ऐसा लग रहा था कि वह एक बड़ी पारी खेलेंगे, लेकिन कोई बात नहीं। कार्डिफ में रोहित की धीमी बल्लेबाजी का बचाव करते हुए कोटक ने कहा कि वह क्रीज पर संघर्ष नहीं कर रहे थे और उम्मीद जताई कि लॉर्ड्स में वह शानदार वापसी करेंगे। कोटक ने कहा, मैंने बहुत क्रिकेट खेला और देखा है। कई बार बल्लेबाजों को वह मोमेंटम नहीं मिलता जिसकी वे तलाश कर रहे होते हैं और ऐसा होना सामान्य है। आप लॉर्ड्स में रोहित शर्मा की बिल्कुल अलग पारी देख सकते हैं। इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा कि वह संघर्ष कर रहे थे। शायद बाउंस की वजह से वह उन शॉट्स को खेलने में सहज महसूस नहीं कर रहे थे जो वो आमतौर पर खेलते हैं। दूसरी तरफ शुभमन और विराट को तेज शुरुआत मिल गई थी, लेकिन रोहित को उनके स्लॉट में गेंदें नहीं मिलीं।

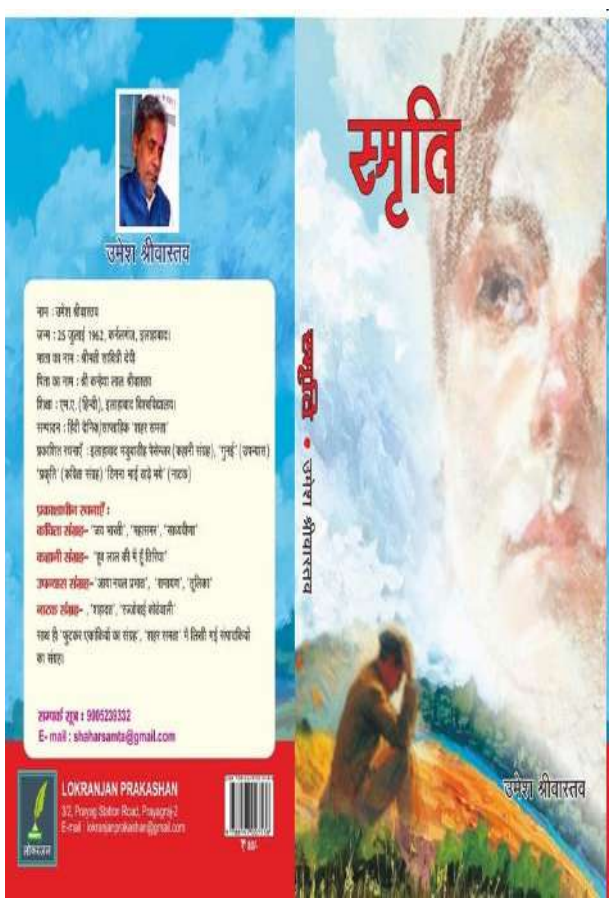

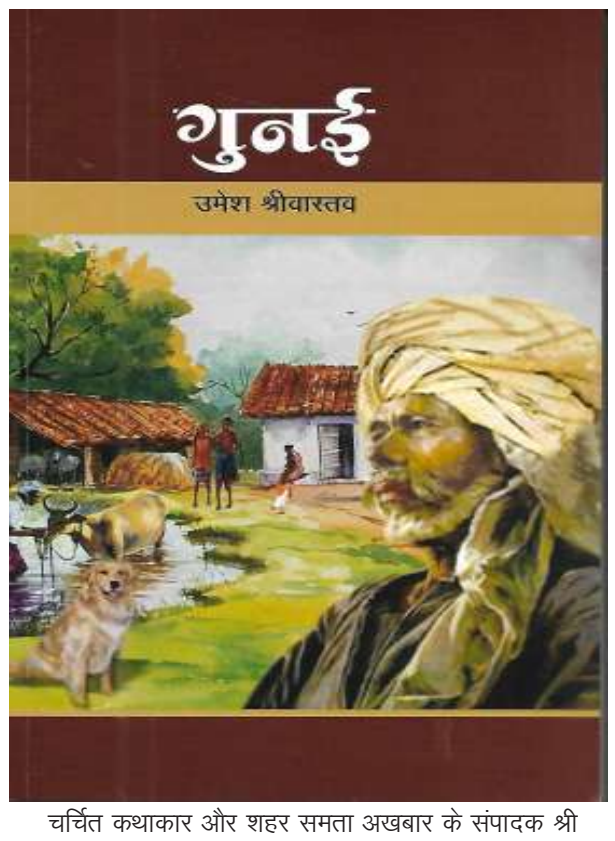

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

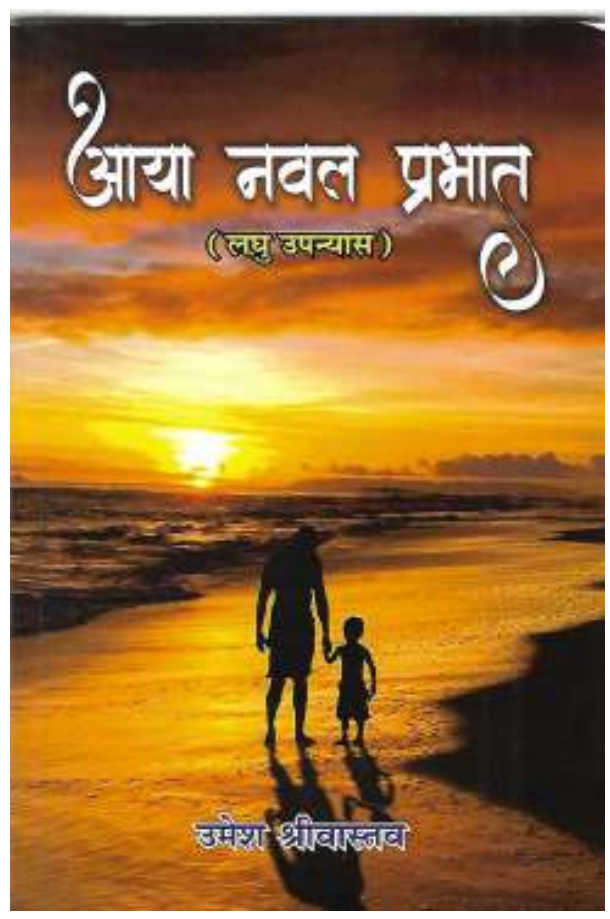

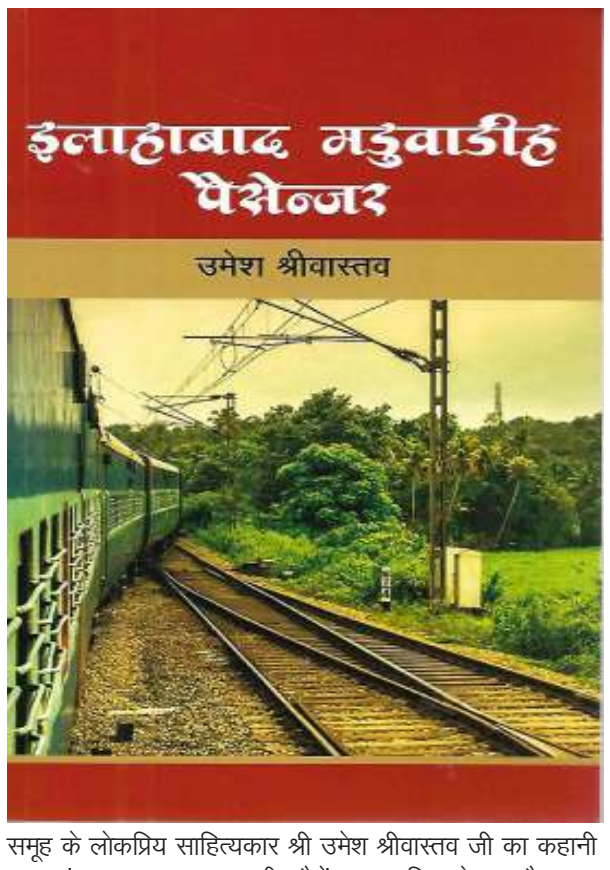

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

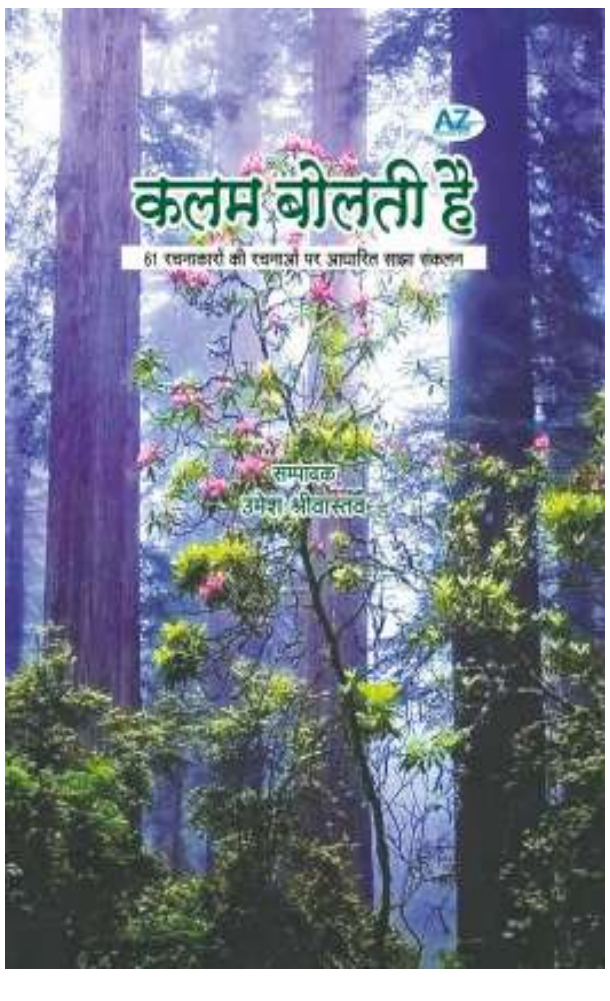

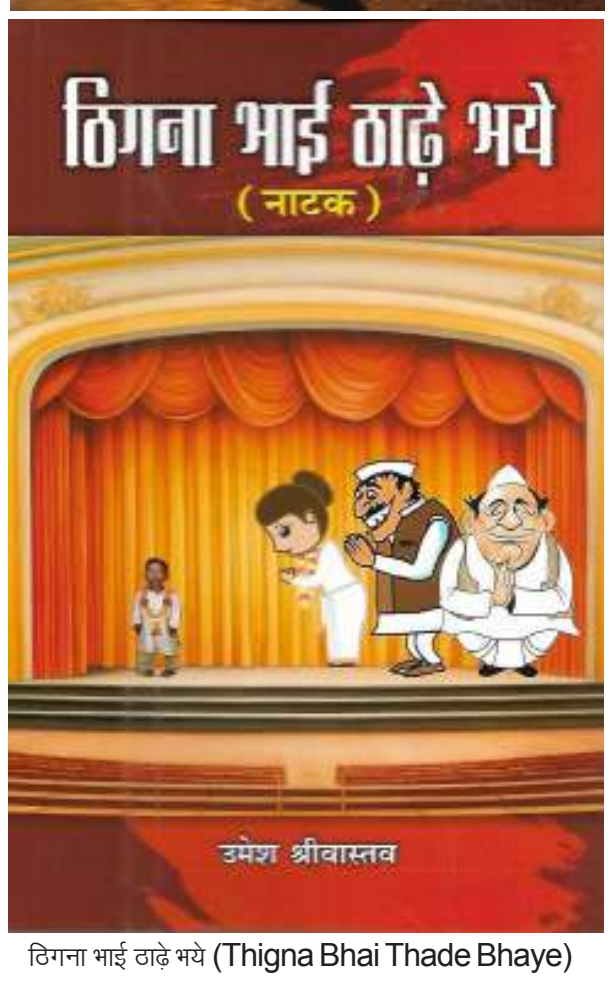

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिकी एयरस्ट्राइक में चाबहार पोर्ट को बड़ा नुकसान: निगरानी टावर ढहा, क्या फिर निशाने पर आया रणनीतिक बंदरगाह?

वॉशिगंटन, एजेंसी। शुक्रवार को अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों में ओमान की खाड़ी पर स्थित ईरान के रणनीतिक चाबहार बंदरगाह को नुकसान पहुंचने की खबर है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, हमले में बंदरगाह का एक निगरानी टावर (सर्विलांस टावर) ढह गया। चाबहार बंदरगाह अफगानिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग माना जाता है और क्षेत्रीय रणनीति के लिहाज से इसकी अहम भूमिका है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें चाबहार बंदरगाह का निगरानी टावर ढहता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, यह तस्वीर उनके साझा करने से पहले ही सोशल मीडिया पर कई एक्टिविस्ट्स के जरिए वायरल हो चुकी थी। क्या चाबहार पहले भी हमलों का निशाना बन चुका है? चाबहार बंदरगाह पहले भी कई बार अमेरिकी हवाई हमलों के निशाने पर रहा है। इस बार हुए हमले के बाद ईरान के सरकारी मीडिया ने बंदरगाह पर तीसरे दौर की एयरस्ट्राइक की पुष्टि की, लेकिन निगरानी टावर के ढहने को लेकर तत्काल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की। क्यों इतना अहम है यह रणनीतिक बंदरगाह? ईरान के दक्षिण–पूर्वी सिस्तान–बलूचिस्तान प्रांत में ओमान की खाड़ी पर स्थित चाबहार (बिंईत) बंदरगाह पश्चिम एशिया के सबसे रणनीतिक बंदरगाहों में गिना जाता है। यह बंदरगाह होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर स्थित है, इसलिए तनाव या युद्ध की स्थिति में भी इसकी उपयोगिता बनी रहती है। भारत के लिए भी बेहद अहम है चाबहार चाबहार के जरिए भारत बिना पाकिस्तान की सीमा से गुजरे सीधे अफगानिस्तान और मध्य एशियाई देशों तक सामान पहुंचा सकता है। यही वजह है कि भारत ने इसके विकास में बड़ा निवेश किया है। यह बंदरगाह ईरान के लिए व्यापार, ऊर्जा निर्यात और क्षेत्रीय संपर्क का महत्वपूर्ण केंद्र है। अफगानिस्तान के लिए यह समुद्री व्यापार का प्रमुख विकल्प है, जबकि उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान और ताजिकिस्तान जैसे भू–आवेष्ठित देशों के लिए भी यह अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच का अहम मार्ग बन सकता है। इसके अलावा रूस के साथ अंतरराष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारे (प्छैज्ब्) को मजबूत करने में भी चाबहार की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। इसलिए यह बंदरगाह भारत, ईरान, अफगानिस्तान, मध्य एशियाई देशों और रूस सभी के लिए रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। चाबहार को विकसित कर रहा है भारत चाबहार बंदरगाह का विकास भारत और ईरान मिलकर कर रहे हैं। भारत इस परियोजना में निवेश, उपकरण और संचालन संबंधी सहायता दे रहा है, जबकि बंदरगाह ईरान की भूमि पर स्थित है और उसका स्वामित्व ईरान के पास ही है। 2024 में भारत और ईरान ने चाबहार के शहीद बेहेश्ती टर्मिनल के विकास और संचालन के लिए 10 वर्ष का दीर्घकालिक समझौता भी किया। हालांकि, अफगानिस्तान भी इस परियोजना का महत्वपूर्ण साझेदार है। वर्ष 2016 में भारत, ईरान और अफगानिस्तान ने चाबहार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य इस बंदरगाह के माध्यम से अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक व्यापारिक संपर्क बढ़ाना था। हालांकि, बंदरगाह के निर्माण और संचालन का मुख्य काम भारत और ईरान ही कर रहे हैं।

बलूचिस्तान के गुस्से की आग में जल रहा पाकिस्तान, BLA के हमले में अब 45 जवानों के मारे जाने का दावा

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान के मस्तंग जिले में पाकिस्तानी सैन्य काफिले को निशाना बनाकर किए गए है। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। इसके साथ ही दावा किया है कि इस ऑपरेशन के दौरान 45 से अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं। वहीं, दर्जनों घायल हुए। बीएलए के प्रवक्ता ने क्या बताया? एक बयान

में, बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने कहा कि यह हमला गुरुवार को मस्तुंग के खडकुचा इलाके में सशस्त्र समूह की फतह स्क्वाड इकाई द्वारा किया गया था। इसे समन्वित और तीव्र बताया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र समूह ने कब्जा करने वाली पाकिस्तानी सेना के कर्मियों, उनके सुरक्षाकर्मियों और बाद में घटनास्थल पर पहुंचे सैन्य सुदृढीकरण को ले जा रहे बसों के काफिले पर हमला किया। हताहतों की संख्या बढ़ सकती है बयान में कहा गया है अब तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, इस अभियान में कब्जा करने वाली सेना के 45 से अधिक जवान मारे गए हैं और दर्जनों अन्य घायल हुए हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

ट्रंप का चलेगा चाबुक: अमेरिका में अवैध ट्रक चालकों को देश से निकालने की तैयारी, जानें भारत पर क्या पड़ेगा असर?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह अवैध अप्रवासी ट्रक चालकों पर व्यापक कार्रवाई की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अमेरिकी सड़कों पर अवैध रूप से काम करने वालों को हटा देगा। इसके साथ ही एक नई लाइसेंसिंग पहल के तहत उनकी जगह सैन्य दिग्गजों को नियुक्त करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या कहा?

बुधवार को पेंसिल्वेनिया रक्षा और नवाचार शिखर सम्मेलन में बोलते हुए ट्रंप ने प्रस्तावित कार्रवाई को पेंसिल्वेनिया राज्य के पुलिस अधिकारी माइकल पहिरा की हाल ही में हुई मौत से जोड़ा, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि उनकी हत्या एक अवैध अप्रवासी द्वारा वाणिज्यिक चालक लाइसेंस पर सेमी–ट्रक चलाने के कारण हुई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या आरोप लगाए? ट्रंप ने कहा, श्आज मैं एक और महत्वपूर्ण घोषणा कर रहा हूं। मेरा प्रशासन जल्द ही उन अवैध ट्रक चालकों के खिलाफ ऐतिहासिक कार्रवाई करेगा जो बड़ी संख्या में लोगों की जान ले रहे हैं।श उन्होंने आरोप लगाया कि बिना लाइसेंस वाले ड्राइवर साइन बोर्ड नहीं पढ़ सकते। इसके साथ ही कहा कि उनमें से कई नशे या शराब के नशे में होते हैं, और उन्हें ये वाहन नहीं चलाने चाहिए। ट्रंप ने कहा, श्वे अवैध रूप से आए हैं और हम उन्हें नहीं चाहते। लेकिन वे अमेरिकी सड़कों पर हर जगह गाड़ी चला रहे हैं, और हम उनकी जगह गर्वित अमेरिकी दिग्गजों को तैनात करेंगे।श गौरतलब है कि अमेरिकी ट्रक उद्योग में ड्राइवरों और मालिकों दोनों के रूप में सिखों का दबदबा है। इनमें से अधिकांश अमेरिकी नागरिक, स्थायी निवासी या अधिकृत कर्मचारी के रूप में कानूनी रूप से कार्यरत हैं। ऐसी अफवाहें हैं कि बड़ी संख्या में सिख ड्राइवर अवैध रूप से गाड़ी चला रहे हैं, लेकिन यह सच नहीं भी हो सकता है। अप्रवासियों की ड्राइविंग लाइसेंस कैसे जारी होती है?

वाहन चलाने के लिए वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता होती है, जो राज्य सरकारों की ओर से जारी किया जाता है। कुछ मामलों में, अदालत में पेश होकर राजनीतिक शरण मांगने वाले अवैध अप्रवासियों को अस्थायी आधिकारिक कार्य परमिट जारी किए जाते हैं। इसके बाद ही उन्हें वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जाता है, जो कठोर ड्राइविंग परीक्षा के बाद ही मिलता है। ट्रंप प्रशासन परिवहन नौकरियों के लिए किसको मान्यता देगा?

ट्रंप ने कहा कि प्रशासन वाणिज्यिक ट्रक परिवहन नौकरियों के लिए सैन्य अनुभव को मान्यता देगा। उन्होंने कहा, श्हम अपने पूर्व सैनिकों को लेंगे। उन्हें ट्रक चलाना सिखाएंगे। कई मामलों में वे जानते भी हैं। हम यह कहेंगे कि कोई भी अमेरिकी जिसने हमारी सेना के लिए भारी ट्रक चलाया है, वह स्वतः ही वाणिज्यिक चालक लाइसेंस के लिए पात्र होगा।श राष्ट्रपति ने इस प्रस्ताव को सार्वजनिक सुरक्षा उपाय और पूर्व सैन्य कर्मियों के लिए रोजगार पहल दोनों के रूप में प्रस्तुत किया। भारतीयों पर असर पड़ेगा?

बता दें कि इस कदम से अमेरिका में रहने वाले भारतीय प्रवासियों पर असर पड़ने की संभावना है। द इंडियन एक्सप्रेस की नॉर्थ अमेरिकन पंजाबी ट्रकर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में लगभग 130,000 से 150,000 ट्रक चालक सीधे पंजाब और हरियाणा से आते हैं। इस साल ट्रंप ने कौन सी कानून लागू की? इस साल फरवरी में, ट्रंप ने दलीला कानून की घोषणा की, जिसके तहत अवैध अप्रवासियों को व्यावसायिक वाहन चालक लाइसेंस जारी करना बंद कर दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी अप्रवासी को ट्रक और अन्य मालवाहक वाहन चलाने का लाइसेंस नहीं दिया जाएगा। यह कानून बेकर्सफील्ड की पांच वर्षीय दलीला के मामले पर आधारित था, जो भारत से आए एक अवैध अप्रवासी प्रताप सिंह द्वारा किए गए कई कारों के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद घायल हो गई थी। उसके पिता के अनुसार, इस दुर्घटना के कारण बच्ची बोल नहीं पाती है और उसे चलना फिर से सीखना पड़ रहा है। गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, सिंह ने 20 जून, 2024 को असुरक्षित गति से गाड़ी चलाने और यातायात और निर्माण क्षेत्र में न रुकने के कारण कई कारों की टक्कर का कारण बना। पिछले महीने, देश में अवैध रूप से रह रहे कम से कम 30 भारतीयों को अमेरिकी सीमा गश्ती दल के एजेंटों ने गिरफ्तार किया था। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग ने बताया कि ये भारतीय उन 52 लोगों में शामिल थे जिन्हें एरिजोना के युमा सेक्टर के एजेंटों ने 11 से 15 मई के बीच गिरफ्तार किया था। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा ने बताया श्इनमें से 30 व्यक्ति भारत से थे। बाकी छह मेक्सिको, अल सल्वाडोर और रूस से थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सभी व्यक्तियों पर संघीय कानून के अनुसार कार्रवाई की गई और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। ये गिरफ्तारियां श्ऑपरेशन चेकमेटश के तहत की गईं, जो अमेरिकी सीमा शुल्क के अनुसार देश में अवैध रूप से रह रहे वाणिज्यिक मोटर वाहन चालकों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने से संबंधित है।

सिंधु जल विवाद में पाकिस्तान को झटका, केस भी लड़ रहा और भारत का बिल भी भर रहा पड़ोसी

एजेंसी/पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि विवाद को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता तक ले जाकर भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की थी, लेकिन अब यह दांव उसी पर भारी पड़ता दिख रहा है। इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत द्वारा मध्यस्थता की कार्यवाही से खुद को अलग करने और संधि को फिलहाल स्थगित रखने के फैसले के बाद पाकिस्तान न केवल अपना, बल्कि भारत के हिस्से का मध्यस्थता खर्च भी वहन कर रहा है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद अब तक 6 लाख डॉलर (600,000 डॉलर) से अधिक खर्च कर चुका है और जैसे–जैसे मामला आगे बढ़ेगा, यह राशि और बढ़ने की संभावना है। पूरा खर्च पाकिस्तान पर क्यों आया? सिंधु जल संधि के तहत भारत और पाकिस्तान को मध्यस्थता की कार्यवाही का खर्च बराबर–बराबर उठाना होता है। लेकिन अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस प्रक्रिया में

अपनी भागीदारी निलंबित कर दी। नई दिल्ली ने स्पष्ट कहा कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय कार्रवाई नहीं करता, तब तक सिंधु जल संधि को स्थगित रखा जाएगा। भारत के इस फैसले के बावजूद पाकिस्तान ने मध्यस्थता की कार्यवाही जारी रखी और रिपोर्ट के मुताबिक अब वह दोनों देशों के हिस्से का खर्च भी स्वयं उठा रहा है। आखिर विवाद की जड़ क्या है? यह पूरा विवाद भारत की किशनगंगा और रतले जलविद्युत परियोजनाओं को लेकर है, जो सिंधु जल संधि के तहत आने वाली पश्चिमी नदियों पर बनाई जा रही हैं। पाकिस्तान का आरोप है कि ये परियोजनाएं संधि के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं। इसी आधार पर उसने मामले को परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (च्ब्।) में पहुंचाया। दूसरी ओर भारत का कहना है कि इस तरह के तकनीकी विवादों का समाधान न्यूट्रल एक्सपर्ट (तटस्थ विशेषज्ञ) के जरिए होना चाहिए, न कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण के माध्यम से। भारत का यह भी तर्क है कि संधि के तहत दोनों विवाद निपटान प्रक्रियाएं एक साथ नहीं चल सकतीं। भारत ने परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के अधिकार क्षेत्र को पूरी तरह खारिज कर दिया है। नई दिल्ली का कहना है कि यह न्यायाधिकरण ष्अवैधा तरीके से गठितष किया गया है, इसलिए इसके द्वारा दिए जाने वाले किसी भी फैसले को भारत श्शून्य और अमान्यश मानता है। भारत की अनुपस्थिति के बावजूद सुनवाई कैसे जारी है?अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के नियमों के अनुसार, यदि किसी पक्ष की अनुपस्थिति के बावजूद न्यायाधिकरण यह मान ले कि उसके पास मामले की सुनवाई का अधिकार क्षेत्र है, तो कार्यवाही जारी रह सकती है। परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने पाकिस्तान की आपत्तियों पर सुनवाई करने का अधिकार अपने पास होने की बात कही है और भारत की आपत्तियों को स्वीकार नहीं किया। वहीं, भारत अब भी इस पूरी प्रक्रिया से दूरी बनाए हुए है और कार्यवाही में शामिल नहीं हो रहा है।

'AI अब किसी एक देश का खेल नहीं', शी जिनपिंग को आखिर किस बात का सता रहा डर? भारत से है खास कनेक्शन

एजेंसी/चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का विकास किसी एक देश का एकल प्रदर्शन नहीं होना चाहिए। बल्कि यह वैश्विक सहयोग का एक सामंजस्यपूर्ण संयोजन होना चाहिए। शी जिनपिंग के इस बयान को भारत के लिए डर के तौर पर देखा जा रहा है। भारत लगातार एआई को लेकर काम कर रहा है। शी जिनपिंग ने शंघाई में चीन के सबसे बड़े वार्षिक एआई उद्योग कार्यक्रम, 2026 विश्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन (डब्ल्यूएआईसी) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, श्एआई की अभूतपूर्व गति से प्रगति को देखते हुए, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि इसका विकास सकारात्मक हो, भलाई के लिए हो और मानवता के हित में हो।श उन्होंने कहा कि इसे मानवीय बुद्धिमत्ता और अंतरराष्ट्रीय सहमति द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। एआई में अगले पांच वर्षों को लेकर क्या कहा? हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में एआई के विकास को और अधिक समर्थन देने के लिए चीन विकासशील देशों को एआई में 5,000 अनुसंधान परियोजनाएं देगा। साथ ही प्रशिक्षण, सेमिनार कार्यक्रम और सहयोग केंद्र प्रदान करेगा। विकासशील देशों में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ, अरब लीग, शंघाई सहयोग संगठन, अफ्रीकी संघ, लैटिन अमेरिकी और ब्रिक्स सदस्य देश शामिल हैं। एक समझौते पर किए हस्ताक्षर इससे पहले, 29 देशों ने शंघाई में विश्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहयोग संगठन (WAICO) की स्थापना के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, समझौते के तहत WAICO एक स्वतंत्र अंतर–सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन होगा जिसका मुख्यालय शंघाई में होगा। कितने देशों ने किए हस्ताक्षर हित 29 देशों के प्रतिनिधियों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे उनके देश WAICO के संस्थापक सदस्य बन गए। हस्ताक्षर समारोह में उपस्थित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल थे। संगठन संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्य क्या है? शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, समझौते के तहत संगठन संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों को बरकरार रखेगा। व्यापक परामर्श और साझा लाभ के लिए संयुक्त योगदान के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। जन–केंद्रित दृष्टिकोण का पालन करेगा। हाल के वर्षों में, चीन ने बड़े पैमाने पर सरकारी समर्थन, विशाल घरेलू बाजार, मजबूत विनिर्माण क्षमताओं और इंजीनियरों के एक बड़े समूह की मदद से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और बैटरी प्रौद्योगिकी सहित कई अग्रणी प्रौद्योगिकियों में बड़ी प्रगति की है। एआई को लेकर भारत का क्या रुख? भारत एआई को समावेशी विकास और जनकल्याण का माध्यम मानता है। सरकार का लक्ष्य ष।ष वित ।ससष के सिद्धांत पर स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, शासन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में एआई का उपयोग बढ़ाना है। भारत नवाचार को बढ़ावा देने के साथ–साथ जिम्मेदार, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई के विकास पर जोर देता है। भारत ने प्दकपं।प् डपेपवद शुरू की गई है, जिसके तहत कंप्यूटिंग क्षमता, स्टार्टअप, अनुसंधान, कौशल विकास और भारतीय भाषाओं के लिए एआई मॉडल विकसित किए जा रहे हैं। भारत का मानना है कि एआई मानव–केंद्रित, पारदर्शी, नैतिक और सभी देशों के लिए लाभकारी होना चाहिए। एआई को लेकर चीन का क्या रुख? एआई के क्षेत्र में, चीन ने इसे एक राष्ट्रीय रणनीतिक प्राथमिकता बना लिया है, जिसका लक्ष्य अनुसंधान, कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे, सेमीकंडक्टर विकास और प्रतिभा संवर्धन में सरकार के भारी निवेश के साथ दुनिया का अग्रणी एआई नवाचार केंद्र बनना है। इसके अलावा, पिछले एक दशक में इलेक्ट्रिक वाहनों के उद्योग में नाटकीय रूप से विस्तार होने के कारण चीन दुनिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादक और निर्यातक बनकर उभरा है। विश्लेषकों का कहना है कि एआई, इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी प्रौद्योगिकी में चीन की प्रगति का उद्देश्य विनिर्माण केंद्र से हटकर एक प्रमुख तकनीकी नवप्रवर्तक बनना है। भले ही उसे अमेरिका, यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया और जापान से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा हो, साथ ही उन्नत एआई चिप्स पर अमेरिकी निर्यात नियंत्रण भी लागू हो।

चीन का जातीय एकता कानून: उइगर मुस्लिमों का आरोप, कहा–संस्कृति और भाषा मिटाने की साजिश रच रही जिनपिंग सरकार

जिनेवा, एजेंसी। चीन द्वारा हाल ही में लागू किए गए जातीय एकता और प्रगति कानून लागू करने की उइगर मुस्लिमों ने तीखी आलोचना की है। उनका तर्क है कि यह कानून जबरन श्रम को संस्थागत रूप देने का प्रयास है, जिससे गैर–हान जातीय समुदायों की पहचान, भाषा और संस्कृति पर खतरा और अधिक बढ़ाने वाला है। उइगर सेंटर फॉर डेमोक्रेसी ने कहा कि यह कानून चीन की वर्षों पुरानी दमनकारी नीतियों की अगली कड़ी है।

जिनेवा में स्वदेशी लोगों के अधिकारों पर विशेषज्ञ तंत्र के 19वें सत्र को संबोधित करते हुए उइगर सेंटर फॉर डेमोक्रेसी के अध्यक्ष डोलकुन ईसा ने कहा, 1 जुलाई 2026 से प्रभावी यह कानून उइगरों, तिब्बतियों व अन्य गैर–हान समूहों के प्रति बीजिंग की नीतियों में एक बड़े और गंभीर आक्रामक बदलाव को दर्शाता है। डोलकुन ईसा ने कहा, चीनी कानून एक एकल राष्ट्रीय पहचान को बढ़ावा देने के लिए कानूनी ढांचा तैयार करता है। साथ ही यह जातीय भाषाओं, धार्मिक प्रथाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को हाशिए पर धकेलता है। वह बोले– यह कानून शिक्षा, भावी पीढ़ियों तक सांस्कृतिक पहचान पर सरकारी नियंत्रण को और मजबूत करता है। इस कानून में मनमानी हिरासत, परिवारों को अलग करना, उइगर भाषा पर प्रतिबंध, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को नष्ट करना, और उइगर समुदायों का विस्थापन करना शामिल है। उन्होंने चेताया कि यह कानून उन कदमों को वैध बनाएगा जो स्वदेशियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र के सिद्धांतों के खिलाफ हैं।

हमारे द्विपक्षीय संबंध अब बेहद मजबूत': अमेरिकी दूत डैन नेग्रेआ बोले– वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश है भारत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत को कई क्षेत्रों में अग्रणी बताते हुए वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी डैन नेग्रेआ ने कहा कि भारत ने अमेरिका में भारी निवेश किया है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बेहद शानदार हैं। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक–सामाजिक परिषद में अमेरिकी प्रतिनिधि व राजदूत डैन नेग्रेआ ने कहा, भारत के पास देने के लिए बहुत कुछ है। ऐसे कई क्षेत्र हैं जिनमें भारत दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।